ग मृदुलमृदुलक्षणक्षणमुसकैंहौ ७९ कविहीलवारकि
तुमप्रभुभूठे। शबरीअशुचिजातिताकेफल भावजानि
तुमखायेजूठे॥ शाकविदुरघरखायतजेप्रभु दुरयो-नके
भोजनअनूठे। शंकरहीकीवेरकृपानिधि तजिकरुणा
करुणानिधिरूठे ८० ऊधवजीतुम्हारीपैयाकरजोरैय
शोमतिमैया॥ एकवेरब्रजलाललयाओदेखौंनयनदोउ
भैया। शंकरअबनखातदधिबरजब बननचरावौगैया
८१ हायंजगकालगयोसबखाय॥ योगीब्रतीगृहीसंन्या
सी औढ़ंवसनरँगाय। हिरणकशिपुमधुकैटभरावण
अंतदियोमुखबाय॥ ब्रह्मादिकखलमूढ़नारिशिशु पण्डि
तगीतागाय। याजगआयबच्योनाकोई कीन्हेबहुतउ
पाय॥ जेतनरतनबसनमनपहिर्यो सोयोअतरलगाय।
शंकरसोक्षणरहननपायो कृमिविटभस्मबनाय ८२॥
भैरवीदादरा॥ मनदेखौसहायकहूनाकरी॥ जबबाढ्यो
महाकफघेरीनरी। सुतदारापरिवारसुहृदधन छूटि
जातदुनियासगरी॥ धूतिधूतिखायोदाराधन फेरि
बदनबैठीनाजरी। शंकरभजुरघुवीरचरणशठ फिरिभु
जतोरनयमपकरी ८३ मोहिंमारीनजरियाजादूभरी॥
बांकीभौंहमिरोरिहेरिहिय बेधिगईजनुलागीकटरिया।
चञ्चलचोरलवारनन्दको जबदेखौतबठाढ़ोडगरिया॥
घरघरचोरिखातदधिमाखन बातकहतकोई नाईनगरि
या। शंकरकलनपरतिमोहिंसजनी विकलविनाजल
जैसेमछरिया८४ याप्रभुमायाकहीनाजाय॥ शक्तिप्रमा
णधामकीमहिमा काहुनदीनिबताय। करिअनुमानथक

तनाहिंपावत पण्डितगीतागाय ॥ कोउकहैसत्यझूठकहै
कोऊ कोइकोइरहेचुपाय। याकोभेदकहूंनहिंपायो बिन
रघुवीरसहाय ॥ जहँगजराजथाहनहिंपावत क्योंपिपी
लतहँजाय। शंकरशरणहोयंमाया के गहिकरलेति
बचाय ८५ करिहारीअरजशिरकरिनतियांमोसोंकर
तनन्दसुतबतियां ॥ जबदेखौतबठाढ़ोसखीरी देत
जगायपरीरतियां। शंकरअरजबरजनहिंमानत करपर
सतहँसिहँसिछतियां ८६ याहीमेंहमारीतुम्हारीभली
करजोरैनऐयोहमारीगली ॥ आवतनरजागरिचरचतुहैं
बातकहतनरनारीमली। शंकरजानिलवारचोरअति
कहतिसकलव्रजतीकोछली ८७ नेकदयानाहिंआयेकाहे
कलपायेकाहेबिसराये ॥ ऊधवकहियोजायश्यामसों
आपुमधुपुरीछाये। केहिअपराधछोड़िगोपीजन दासी
कण्ठलगाये ॥ हमकिंकरीवियोगभरीव्रज सुमिरिसँदेश
पठाये। शंकरसुखव्रजहोयकवनविधि बिनदरशनहरि
पाये ८८ श्यामकेरँगराचीगुजरिया। हाथकपाटदिये
दरवजवा नन्दनँदनकीहेरैडगरिया ॥ रसराचोमोहनग
लियनमेंठाढ़रहतकरअधरमुरलिया। शंकरयुगफूटतन
पलकक्षणकठिनदुहुँनकीलागीनजरिया ८९ ॥दादरा॥ व्रन
बाजीबँसुरियाजादूभरी ॥ सप्तस्वरनरसगायबजावतगो
पलियेयमुनाकीकगरिया। यकदिनजातभरनयमुनाजल
मारिगयोमोकोबांकीनजरिया ॥ कोइनव्रजरोकतटोकत
सखि सखिनचलतहँसिरोकैडगरिया। शंकरकबहुँकपा
टोंपकरिकर निकासिजायसबजियकीकसरिया ९० जादू

भरीमोहिंमारीनजरिया ॥ ठाढ़िहतीअपुनेदरवाजा आ
यअचानकयेहीडगरिया। चपलचोरचितहरनबधुनके
अरुणकोरदृग्गलागीकजरिया ॥ कसकतुहियजियानिक
सतुनाहीं तलफिरहौंभावैनसेजरिया। शंकरमोरमुकुट
मुरलीकर कटिकछनीपरबांधेकमरिया ९१ बनबाजीबँ
सुरियाजादूभरी ॥ कसकतुह्यियजियनिकसतुनाहीं ला
गितानअनुकरदकटरिया। शंकरबिनदेखेनँदनन्दनकैसे
मिटैतनमदनकसरिया ९२ दइमारोपपीहाबोलैंअटा।
निशिवासरसुनिकलनपरतिहै पियविरहीपियपियहिर
टा॥ झिमिकिझिमिकिबरसतपुरवैया मदनकरततनमे
रोकटा। थरथरहियकम्पतमेरोसजनी उझकिपरतिल
खिबिजुलीछटा॥ सुनतमयूरशोरदादुरधुनि जातहियो
पियविरहफटा। शंकरनाजानौमेरीसजनी कवनअडर
कारीकरिहैघटा ९३ ॥होरी॥ दधिखाईछीनिमगजातहँस
त मोकोगारीदईकौनेनातेचलत॥ धोखेरहेबरसानेसखि
नकेनिताजिनकोदधिखाते।शामसुबूजिनकीगलियनमेंक
रिकरिकोटियतनामिसिजातेगायस्वरनमुसक्यायडसत॥
योगअयोगनयननहिंसूझतऐसेमदनरसमाते।काअस
बानिपरीशंकरहरि लैलैनामसखिनकोगातेसुनिबँसुरीम
नकसतफँसत ९४ आजमैंहोरीखेलनकोआईयशुदाजी
कहाँवाकन्हाई ॥ लोककुटुमकीलाजकाजहमअबतकरा
रिबचाई। अबनसहीमोहिंजातिसखीरीयागोपालढिठाई
कहाँतकरीगमखाई ॥ देखहुआजुबधूगोपनकी भरिभ
रिरँगसँगलाई। कहँवहचोरलवारनन्दकोनितममकरत

खोटाई। देतिकसतैंनवताई॥ सुनतसखिनकेवयनचय नऋति हृदयरह्योमुसक्याई। शंकरईरसवयनबधुनकेसु नतयशोमतिमाई॥ हँसीसखियनसमुझाई ६५ जागुरेम नजागुजागुरे॥ मोहनिशासुखस्वप्ननींदभ्रम कालसर्प्प लखिभागुभागुरे। सुतबनितादिआदिस्वारथरत अंत लेतलैंतागुतागुरे॥ अबनसबलइंद्रीठगिनिनसों होअस चेतशठठागुठागुरे।शंकरसुखसागररघुबरपदसमुझिअ जौंअनुरागुरागुरे ६६ एरीनंदकोमगररोकैमेरीडगर॥ कै सेजाँवभरनजलयमुनाकगर।फूलिपलाशरहेकुंजनमें गुं जतकोकिलरटतभ्रमर॥ सुनिकजनपरीमुहिंयेसजनी म गजातहँसतयशुदाकोसुघर।यकदिनहेरिघेरिकुंजनमें प करिगहीहँसिसारीपधर॥ करिलगरभगरअंगपरसिसग रा।शंकरनँदनंदनऐसोबिडर ६७ तकितकिपिचकारीमेरेसा री॥नँदनंदनरसियागुपालहँसिभीजिगईसारीसारी॥इतते जातिहतीतनसुंदरउततेकुंजनविहारी॥ पकरिअबीरम ल्योशंकरहँसिसखनदईकरतारी॥दशायहदेखोहमारी ६८ धनिधनिकुबरीकेभागरे॥जाकेचरणकमलरजकारण शि वसमाधियुगसहसलागरे। मुनिगृहतजतभजतनिशिबा सररमतबिपिनबागकरतजपयोगजागरे॥ ताहिकियोकु विजाअपनीवशकरिनइप्रीतिनवोअनुरागरे।छोड़िदियो ब्रजटोरिनेहसबमातपिताताजिसागभागकुविजाके जाग रे६९ करिचेरीसोंनेहसखीरीनंदगोपकुलकियोदागरे। च तुरचपलदृगचोरनंदको सँगदासीकेफागखेलिदृगदेखि ठागरे॥तुमसधुकराकिनजातमधुपुरीजहँनयोनयोबरसत

ऽनुरागरे। तुमकारेसारेनहिंजानतशंकरदरदविरागजाव
उड़िसहितकागरे॥ रागसिंदूर॥ सखीव्रजराजनआयोचे
रीकेभवनतेऋतुवसंतव्रजछायो॥नाजानौंकौनीजादूकरि
श्यामसुंदरबिलमायो। तापरशंकरअतिनिरमोहीबनित
नयोगपठायो ३००॥ कोइभरननजैयेनीर भरेपिचका
रिनमारतनंदकोडगरमें॥ लीन्हेबालअहीरभीरसँगठा
ढ़ोयमुनाकगरमें। शंकरओटखोटयशुमतिको बोरोमनहुं
जहरमें १ किनसौतिनसँगजागलागकजरामनमोहन।
पलपलपलकपलकपरलागत बन्दनकोमुखदाग॥ क-
ञ्चनापीठिदीठिमेंजावकउरमलियाबिनिधाग। बेनीबाह
बनीशंकरशिर कितउरभीयहपाग २ जियतलफितल
फिरहिगोरिगुइयाँ कानपरीबँसुरीकिभनक। नाजानौं
कवनीविधिबाजति अजबबजावतिव्रजउबरैया॥ सुनि
धुनिकलनपरतिएरीसखि प्राणअरीलैगयोकन्हैया।
हमेंमिलैसजनीकबतक॥ धनिमुरलीमोहनकरराजतिध
रतअधरबकप्राणहरैया। शंकरअरजकरतानिशिबासर
मिलौबेगिकरअचलधरैया॥ रहीआशमनमेंअबत
क ३ पकरिमेरीसारीबिहारीनेफारी देखोदेखोनजरिनँद
नाँरी॥ लीन्हेबालगुपाललालसँग कालिहभजोँरगडा
री। नोखदुलारबारयशुदाको देतचलतमगगारी॥
हमव्रजबधुनतजोयमुनातट जातिभरननहिंवारी। शं
करबसियकपासबासनित करिबोनीकनरारी ४ हमें
घरजानदेजानदेसाँझभईभई॥ जेनागरिआईदाधिबे
चनतेसबभवनगईं। मोहिंअकेलिजानिकुंजनमें कहि

करपकरिलई॥ बचनसँभारिकहबमनमोहन भेंटहमारि नई। शंकरकहबनजावभवनहम जोदधिछीनिलई ५ लंकाकपिफूँकिलईरी॥ चढ़िचढ़िभवनभवनकंचनगि निबढ़िलुइलागीदईरी। परीपुकारमारमंदिरमेंरोवतअ तिअकुलातलंकबिननाथभईरी॥जयसुग्रीवरामकहिठो कतदोउभुजदंडनईरी। तड़पतझपटिदपटिपदहनिभट लंकपतीकीनारिरहितमदसोंचितईरी॥झपटिदपटिमंदि रमंदिरसोंकपिकीतड़पगईरी। सकुचिससेरिंगयोलंका पतिचितवतनिजभुजबीशकीशलखिचूपलईरी॥ करि सबछारद्वारमंदिरवर पूछसिंधुभिजईरी। शंकरलैचूड़ा मणिसुन्दर वारिधिनांघिअपारआयरघुबरहिदईरी६ज बतकछूटिनगढ़ीरी॥ शीशमहलपरतोपछवासकी भरी बारूदचढ़ीरी। कालभूपतनलरतअहरनिशि जीवभूप बलवानरारिबिनकाजबढ़ीरी॥इन्द्रीतुपकबनायनयनकी करिदुरबीनकढ़ीरी। रसनाकरितंबूरपूरदृढ़ हुकुमअदू लीठानिपत्रिकाश्रुतिनपढ़ीरी॥जबयमदंडलगोगोलात नफूटीमहलमढ़ीरी। निकसिगयोनृपजीवगढ़ीतेछूटिग योगजअश्वबसनरथरतनलढ़ीरी॥ फूटोमनसेनापति सुन्दर छूटिगईतिरजरतमढ़ीरी। शंकरहुकुमअदूल नकीन्ही बसतगढ़ीकरिमेलप्रीतिअतिबांधिदढ़ीरी ७ नागरनागरिभेषबनायो॥ सेंदुरमिसीशीशसुरमाधरि बेचनगोकुलआयो। लेहौंरीलेहौकोइसुरमा रंगबेसरि बदनछपायोगलिनगलियनगुहिरायो॥ कोइकढ़िद्वार सघरनागरिलखि नैननसानबुलायो। लैगईशीशमह

लमन्दिरमें आदरकरिबैठायचतुरकरखैंचिदेखायो॥ बं दनशीशलिगायनयनमें सुरमासींकलगायो। कचकुच परसिकपोलछुयोजब चतुरम्भझकिमुखमोरिचपलदृग कोपजनायो॥दाबिरहीरसनादशनामुखअसउपहासन भायो। शंकरअसमुसक्यायकहीजब मोहनमुखमुस क्यायभ्कपटितेहिकण्ठलगायो ८ पीककपोलननलागे श्यामकाकेसँगजागे ॥ भालसिंदूरगारूरनयनमें रदन अधरईतागे। काजरभृकुटिश्रवणवुटिसुन्दर मुक्तमा लबिनधागे कवनसवतिनिरसपागे॥ जावकपीठिदीठि मेंआलस नीबिनाभिपरआगे। कटिकंकनकहँपायेकृपा निधिदेउदरशईमँगिनयनशंकरअनुरागे ९ वेदपुराण सड़कअहनीकरु रेलशरीरिबनावरे॥ मनअंजनजल अगिनिउदरकी निशिदिनसमुभिजगावरे। बायुधूम सबछायदेहमें सचमचमगदबरावरे॥ नाड़ीतारगिर ननहिंपावैवाबूसाधुजगावरे। आश्रमअटुटकरौइस्टे शन इन्द्रीपेंचलगावरे॥ सतसंगतिदैदामबैठुतहँआस नअभयकरावरे। खलसगतरुनदेखुखिरकिनसोंदीपक ब्रह्मधरावरे॥ अपनअपनकुलधर्मटिकटकरुरबिशशि घरीचलावरे॥ आश्रमउतरिनगरअपनेचलुस्मृतिन सिपाहजनावरे॥ मायारेललरननहिंपावै खालीबिषय बचावरे। शंकरभवसागरभारीमग बिनप्रयासतरिजा वरे १० दुशासनअबकसभोजेजात॥ राजकुवँरवरअनु जभूपके महारथीमहितात। यौवराजपायोजाहिरजग बीरसुधरसबगात॥ लाहेंउपकरिसभकेअन्तर पाऊं

बधूविलखात । दासीकरीपुकारिपकरिकर द्रुपदकुमरि
थहरात ॥ ईपतिहैंनतुम्हारक्कीवभे पीरेतिलसोदेखात।
करहुआनपतिगौगोगोकहि सकलबन्धुमुसक्यात ॥
एकअकेलवीरसात्यकिके कोइसमुहेनठहरात । भजेवी
रचहुँदिशनफिरतुहैं कमसशकुनीनसमुहात ॥ जबकहि
भीष्मविदुरसमुझायो हितबाणीनसुहात । गरजिकह्यो
रणहमठान्योभुजतुमहिरदयडेरात॥ पासाहेममणिनके
सुन्दरकहतहँसतसबभ्रात।कहँगयोगर्बमानबलगर्जनि
अबभाजतनलजात ॥ सिंहनागसमईकुन्तीसुत द्रुपद
मत्स्यपतिनात । तिनहिंजगायभाजिजैहौकहँ कोकरि
हैतनआत॥ कैनायकभाजतरणतेकस करिपूरुबउतपा
त। देभूपनकेकुवँरकालमुख अपनबचावतगात ॥ ज
बरणपरीभीमअरजुनको लागहिभूतललात। एतकही
बलअसठान्योरण तबकसडनाहिंसिहात ॥ अरजुनके
समईनबाणसब जिनकोदेखतडेरात। तबकहँजायकहो
बचिहौमहि जबअरजुनकरैघात ॥ पीहैरुधिरभीमअं
जलिभरि फारिहृदयभरिसात। कीदयभागमिलोकुन्ती
सुत बसौमहींहिरपात ॥ हैइकठौरऔरभूपतिसुत अभ
यकहतचलिप्रात। शंकरजायदुगोजननीके गरभबचा
वैमात ११ ठाढ़ेरैहौनँदलालिआवतिदुआरे। ठाढ़ेरैहो
दूरिमोरेऐयौनगोपालतीर गिरैंनतनकयामेंदधिहैनशी
शक्षीर लेनेदधिहोयदामदीजेगोपालहाल चलबनतेरे
धामसुनोहैतुम्हारहाल हमसुनतीबिनदामखात दधि
याहीसेऐवेनहिंभवनतुम्हारे ॥ हमहुँतुमहुँखेलेउएकहि

गोपालसाथ काहेसेजबरभयेऐसोतैंउठायोमाथश्रबैकहुँ जानोनऊधुमतेरोयाहीतेसिखावे मेरोतेरोहैपरोसनेरोजो असचलनप्रकटब्रजहोहे पकरिपठौंहैंमथुराकोरखवारे। हमारेतिहारेपासश्रावनकोकाजकौन बेचौंचहेंद्वारचहो मनमानैंआवोभौन बडीबडीग्वालिनिहमारेसबश्रावैंधा म एकतूअनोखीखेड़खेड़माँगेदाम शंकरनंदबबामंदिरमें तोहिंसमनारिरिरखतचरहारे १२ सुनिलेउब्रजकेरीदशा गोसांई॥ देखिकैंहमारोरथधायेश्रायेनन्दद्वार पूछतकुश लनयनाभरिश्रायेबहीधार नँदयशुदाकोनकहतवनैक छुहाल देखेंब्रजबासीतनसारनरहीहैखाल हुँकरतिधेनु चपनहिंपावैंचरतनतृणसबगईंदुबराई । गिरिगेहैंभव नछवायेनहींकहूँद्वार सूखेतरुवरगिरिभईंहैंलताजुक्षार छायरहेउबिरहातिहारो सबधामधाम क्षणक्षणसुरति तिहारीकरैं सबवाम शंकरगोपबधुनलोचनजलखेतन बढ़ीहे यमुनायदुराई १३ पियबिननिशिनिंदियाश्रावे नहीं॥ तापररटतपपीहापियापियकारीघटाभिमिभिमि किरही । सुनिदादुरकेशोरसखीरीनयनन्विरहजलधार बही ॥ सरवापीतडागसरितनमेंकरतकलोलचकाचक ही । शंकरचमकदमकबिजुलिनकीतड़पहरतफलफूली मही १४ रामकमनियांखैंचिशरमारारे।गिरतसुहतहित कियायतनकहिबारबार हेहेलाक्षिमनदरशयदरशयश्रब दरशयरेश्रसकहिसुरनगरसिधारे ॥ बचनसुनतश्रस रामाप्रियाथरथरथरानासियश्रधिकजिया कहोजावजाव जावश्रबजावलक्षिमनटेरतकहुंअनुजतुम्हारे। यानिश्चं

रमायाञ्जलरी रघुवरसमहे नकहूँबलरी शंकरधरुधरु मनधरहुधीरप्रभुकोनयाबचनविचारे १५ दशरथसुतन यननसमायगो ॥ जुलफनकी फाँदीलगायगो। दृगओ टभयेजियइयअँदेशकेसेदिनसजनीसेरायगो॥ मनमेरी गुफाबिचशिशुअनंगनयननकी कोरनजगायगो। शंक रटेढ़ीभृकुटीभिकोरजादूसी मोपैचलायगो १६ चक्र व्यूहगुरुकठिन बनायो ॥ द्रोणपुत्रभगदत्त सुयोधन शल्यसाजिरथलायो। सिंधुराजवाह्लीकदुशासमकृपाचा र्य्यद्वारेठहरायो १ करणसुशर्माअरुविकर्णजहँकहतक वीरगनायो । संसप्तकनगयोअर्जुनरण कोलरिहैसोउ वीरनआयो २ वीरअनुजरणव्यूहनजानत गुरुरणदृढ़ ठहरायो। सुनिअभिमन्युजोरिबिनतीकर मैंलरिहोंनृप भरमनखायो ३ छादरवारकेररणजानत सातौंभीमगना यो। साजिगयोदरवाजद्रोणसों कठिनयुद्धकरिगुरुहिह रायो ४ टोरिगयोसबद्वारवीरतहँ भीमहिपासनपायो। सिंधुभूपवरपायशम्भुको जाननदीनभीमहिव्यलमायो ५ देखिपुकारकरीदुरयोधन महारथिनगोहरायो। सब मिलिकीनअधर्ममहारण तदपिवीरमनशंकनछायो ६ औरसोंलरतऔरशरकाटत विरथभयोबलछायो। दुः शासनसुतआपकख्योरण अस्त्रशस्त्रसबकाटिगिरायो ७ रह्योनअस्त्रचक्रकरलीन्हो औरेनवीचकटायो। भिरेवीर दोउक्षीणगिरेमहि मुरछितवीरगिरेभयगायो ८ जगोदु शासनसुतप्रथमहिंजहँ वीरउठननहिंपायो। शंकरशी रागदामारीखल जूझिगयोअरजुनकोजायो ९। १७

चेतनव्यापक ब्रह्मसहीहै ॥ प्रकृतिपुरुषजिमिगुणतत्त्व
नमें आठौयामरहीहै । मिल्योनसगुनदेहधरियेयुगभू
ठहिकबिनकहीहै ॥ व्रततपसाधिसिद्धचहुंयुगभे जबजं
हिजवनचहीहै । शंकरभूठकथनभ्रमतजिसब तनगत
तत्त्वगहीहै १८ जबतकआताजाताश्वासा॥नयनश्रवण
रसनातनसुन्दर तबलगुसकलप्रकासा । प्रानअपान
ब्यानकेनिकसत होततत्त्वतननासा ॥ जिमिचूनाहरदी
मिलिरंगति लालीआवतिखासा । तिमिमनबुद्धिइवास
मिलिरंगति तनकीसुधरहुलासा ॥ कोईनरह्योश्वासविन
सुरनरआनभ्रमहिकीतासा। सुरनरमुनिखगजीवचराच
र जातचलेनृपदासा ॥ काहुनजतनकरीतनकीजगगेघु
लियथावतासा । भक्तिभावकेग्रंथबहुतरचिभूठपरीक्षक
थासा ॥ टिकीप्रपंचबीचदुनियायहऐसीगाठिबलासा ।
शंकरजोआयोधरिजगतनतिनकोयहीतमासा १९निपट
अनारीसकलनरनारी ॥ कोहमकौनकहाँकेबासी यासब
सुरतिबिसारी। सुतवनिताधनदेहगेहमें फँसिगयोकहत
हमारी ॥ रानारावरहेनदेहधरि तपीयतीनब्रह्मचारी ।
सुतरसवारगयोसँघकोई छूटिगईजबनारी ॥ पटभूषण
सबछोरिलयेहैंहोइगईदेहउघारी। शंकरसमुभुचेतुअब
हूँशठकरुरघुबरसोंयारी२० उठिगईरीतिप्रीतिदुनियाते
छलप्रपंचअतिछाई ।सत्यदयाकहुंदेखिपरतिनहिंबीति
गईतरुणाई चेतअबतौकरुभाई ॥ जनमतहोरिलकहि
धरिनामगावति नारिसकलमिलिधाम धामबसिखेलत
आठोयाम नामभूलनभयोअभिरामअनँदभईगाई १

फिरिबनरातोहिंनामधराय हरषानीनारीसबगाय गा
यलालाकहितोहिंबुलाय दादाभयउसुतनउपजाय काम
अधिकाई २ बाबाभयोकछुकहिनबीति काललियोतन
कोबलजीति जीतियमकेभटभेतबप्रेत भयोप्रसिद्धनाम
यहलेत मृतककहिपाई ३ फिरिदेवनमिलिपितरकहाय
एतकनामसबपरेसुनाय नायशिरहरिपदप्रीतिबढ़ाय ह
रिजनखलनकहायोआयशरमनाहिंआई ४बालापनतरु
णाईसम्हारु भवसागरभयतेजिवतारु धारुमनहरिपद
शंकरसेइ शंकरमनमानेफलदेइलेहुरघुराई २१॥बारामा
सी॥ श्यामसुरतिबिसराई। प्रीतिकुबरीसोंलगाई॥ चैत
बसंतआगमनकीनफूलेशालकदंबनबीन बीनधुनिसुनि
सुनिजागतमारसुरतिबिसारीनंदकुमारप्राणअकुलाई १
फूलिपलाशरहेबैशाख उड़तिचहूंदिशिकुंजनखाख दा
खतरुवरपरकोकिलशोर सुनतबिकलसजनीअतिमोर
रहोनाहिंजाई २ जेठचलतिअतिदारुणलूक श्याम
बिसारयोपरीक्याचूक हूकहियउठतीबिनयदुराय बि
नमोहनब्रजरहियोनजाय कहोकहँजाई ३ आयोकठि
नअबमासअषाढ़ आयगयंदसोंबादरगाढ़ कुबिजासों
करिहरिनेह भूलिगयेब्रजबनितागेह धरीनिठुराई ४
श्रावणझिमिझिमिबरसतनीर कासोंकहौंहरिबिनहिय
पीर पीरहियबाढ़त सुनिघनशोर मोरपपीहापुकारत
जोर बिरहदुखदाई ५ भादौंकठिनअँधेरीरैन बिनमो
हननिशिपरतिनचैन चैनकुबिजाकेहरिहियलाय सु
निदादुरकेशोर सुहायचलतिपुरबाई ६ जानिशरदको

द्वारकुआर खंजनकुंजनकीनप्रचार सारसारसबनबो लतबोल देचंदनकुबिजालियोमोल श्यामचतुराई ७ कातिककुबिजाकरतबिहार पहिरिबसनधरिभूषणहार हारपटभूषण हमतजिदीन्हश्यामनिठुरब्रजसुधिहुनली न मधुपुरीजाई ८ अगहनपियरानीसबदेह असन बसननहिंभावतगेह गेहकुबिजाके बसिनँदलाल भूलि गयेवनिताब्रजबाल लाजनहिंआई ९ पूसबसतकुबि जाकेधाम सुनिसजनीहियबाढ़तकाम कामबसिहोइकु बरीहियलाग नंदगोपकुलकीन्होंदाग अयशरह्योछा ई १० माहकटैकहुकैसेरैन हियउपजतअतिदारुणसै न मैनकुविजाकोदेतींदोष तपफलपायोकवनअसरोष मनैसमुझाई ११ फागुनमेंगावतसबफाग कबजगि हैहमरोसखिभाग भागकुविजाकेबड़ेजियजानि दासी सोसुनियतिभईरानि श्यामपतिपाई १२ अबबीतेस खिद्वादशमास तजतनहरिकुबिजाकोपास पासयादूकी कुबरीडारि वशकीन्होमेरोकुञ्जविहारि कहोंकहँपाई १३ संवतउनइसमैचौंतीस मासअषाढ़कृष्णदिनईस ईस भूषणतिथिअसशुभजानु सूखावज्रहतोपहिचानु महा देवगाई १४।२२ दशरथकेलालदयानिधिकाहेबिसारे॥ जबबसुधाराजाबलिदीन नापिलईपगभईनतीन नाग पाशनसोंलीनबँधाय दियोताहिबरनाथछुटाय ठाढ़नित द्वारे १ जनप्रहलादहेतुखँभफारि प्रकटभयोनरहरितनु धारि धारिकरनखवर दशनकरालहिरणकशिपुगहिर घुकुललाल उदरनखफारे २ द्रुपदसुताकीसुनतपुकार

वसनरूपप्रकट्योततकाल सभाकेअन्दरभयनउघारि
वसनपूतरीभईजनुनारि दुशासनहारे ३ देखिमहादल
भारतकेर रामरामभरुहीकरिटेर अण्डकेकारणकीन
पुकार करुणासिंधुकरीनहिंवार घंटप्रभुडारे ४ जबजीते
रावणसुरभूप तबप्रकट्योगहिजन्मअनूप साथमरकट
दलसागरबांधि नांघिकृपानिधिधनुशरसाधि निशाचर
मारे ५ समदर्शीगावतश्रुतिचारि शंकरकोकसदीनबि
सारि दयानिधिमाधवनावहुँमाथ मोसमपतितअनेकन
नाथ दयाकरितारे ६।२३ पाँसाकपटघनायसभाछलकी
बनवाई बैठसभामेंधर्म्मधुरीन भीषमद्रोणविदुरप्रभुती
न तीनकछुबोलतविदुरविहाय छलकरिभूपहिदीनहरा
यसहितसबभाई १ करणदुशासंनशकुनीमंत्र कियोसुयो
धनममहितयंत्र तंत्रनहिंमान्योमोहिंबुलाय गह्योदुशास
नतनथहराय सभागाहिलाई २ मौनभयेसबपाण्डुकुमार
डारिदियेकरतेहथियार आरनात्रततेहेनंदलाल तुम्ह
रेलखतभयोअसहाल कहौंकहँजाई ३ विदुरविकरण
कहतजोवानि लेतनकोईभूपसुतमानि मानिअपनेमन
अतिबलवान करतनबचनकहूकोकान अनीतिसुहाई
४नाथसभाअनुचितयहहोत बूड़तलाजआजप्रभुपोत
पोतगाहिलीजै वसनहमार चहतदुशासन करनउघार
अंगथहराई ५ हेनँदनन्दनकृष्णमुरारि यदुनन्दनगो
विन्दबकारि कारिकामरिप्रियशरणतुम्हारि नहिंपावत
गावतश्रुतिचारि नारिकैसेपाई ६ शंकरसुनिद्रुपदीकी
टेर वसनरूपभयोभैनअबेर बेरबहुभ्टक्योभैनउघारि

भईवसनपुतरीजनुनारि रह्योग्रशज्ञाई ७।२४॥ सदा पियाकीहमप्यारीगोइयांहम पियमनहरणकाजनिशि बासरकरिश्टृङ्गारमनहारी रहतिनिकटपियप्राणहमारे भूलेउनदेतदिदारी पियहमरेपियकीहमसजनी उइन रगोइयांहमनारी शंकरप्रीतिवसनदोउऔढ़त जारीरी तिकरारी १।२५॥ गोइयांअवप्रीतिकीलगनलगाई दृ ढ़तागाड़िमयीमनमंदिर सुरतिकीअगिनिजगाई भावँ रिफिरितनज्ञानध्यानकी योनिकेनगरवसाई ॥ चुरियाप हिरिभक्तिरँगसुंदरि नेहकीमाँगभराई अजअद्वैतब्रह्म पीतमकरि करमकीगांठिजुराई भूषणपहिरिज्ञानदृढ़सु न्दर तीरथतनउपटाई अभयपलँगपियहियसंगतिको तृष्णाअजबबिछाई॥ पांवसकालजीवदादुरधुनिसुनिपि यहियहिलगाई शंकरयुगनयुगनअहिवाती गोइयाँभई वेदनगाई१।२६॥बैत॥ यादिल्नदीजेवेक़दरकोगाँचिर स्केबदरहोयाचाहिये उस्कोकिजिस्कोचाहनेकीक़दरहो दिल्इश्कमेंतुम्हेरसही हमजानअपनादेचुके पैतुमहमा रेहोनहो अबहमतुम्होरहोचुके १ मर्दोंकिमर्दवसोसदा दिल्कीसदायकसाहहै नामर्दनारिनसंगकर नहिंमर्दको निर्बाहहै याजानिकेसेजायदिल्की धीरबिनदिल्चोरको मिट्टीपियेपयवीरको बिनाभिरेयातनजोरको २ यादिल्दि लोंकीरीतिहै दिल्जानिसांचौमिल्रहै बदरँगदेखतही फिरैबेकदरसोकछुनाकहै दिल्प्रीतिवानाप्रीतिदिल्की जानिदिल्दिल्राखिये तरुसींचिप्रीतिबढ़ाय जल्इमि बदनसोंनहिंभाखिये ३ दिल्परीक्यातकसीरदिल्दे शो

चनापीछेधरो उस्कोनचहियेबेकदर निज़देखियेचष्मन्
धरो दिल्दैचुकेयाकहिचुके बेकदरकहनाहैबदर करि
द्यूतधर्मनरेशकहनादेखियेहेऊँगदर ४ जबहोचुकेहमरे
बचन कहनाहमन्यावादहै रबुउदयेकहनाउदय याव
दरजगसम्बादहै हमज़ानअपनादैचुके याअशुभरस
नानाद है कछुकहिनहमबादीसकैं लघुकहीजसअवका
दहै ५ दोस्तानरिपुहोयजातारिपुहोयदोस्तयागतिकाल
की करकोटिकरताकोइयतन्नामिटै यालिपिभालकी
बेकदरकेहोगेकदर रणशूरतेंभेशूरहै सुतापिताशंकरक
रब परकलिदेखियोदस्तूरहै ६ हरिसोंनमुतवज्जेभयोह
मकोयहीअफ़सोसहै करतायतन्नाहिंपरिमतन् कहता
करमदमदोसहै बयजातकरतानोदरद सुनसुनकरत
सतरोसहै शंकरगईतनकीकरद अबतकनभोदिलहौस
है ७ बदरंगमेंदुनियापरी हमकोयहीअफ़सोसहै तन्
हवाकोतोफान रोदाआबयाबदगोसहै सुबुशामकरहर
दमगुज़र बदकामरहनादूरहै रहुजीवसोहिल्मिलबगर
सलजन्यहीमंज़ूरहै ८ दमवाफ़गेतन्खाकहै गाफिलहु
वाबेकूफ़हे धनधामदुनियाँबामक्या फिरकामशीतल
धूपहै परदोषदेखन्कोसदा रहताअडरमासूरहै अ
पनोनद्देखतदोषदुनियाँ कायहीदस्तूरहै ६ मासीरपीखे
लेअदन जोड़ज़ुवानीबदलई नुक्कामुलम्मासोगयो
गिरबालतनमजबत्भई अबरूसुपेदीआतसी जगती
अँगीठीमानसी हरसोनकीन्होनेहकुदरत् व्यथाउप
जीबानसी १० महताबहरदमजागने हरनारदिरुक्सा

रसो मिकराजसोरसनारसन् पीलारआसिकमारसो उतरत्उमरटूटोकमर दे कदांतकैकमूजोरसो दिल्ताब सोजरताकरद कमूजोरकरताशोरसो ११ यारीतिदुनि याँकीमगर मतलबदिलैदिलमिलरहै मतलबगयेनरना रिफिर कोइलाखमेंदिलकीकहै शंकरयहीअफ़सोससांचो कहाँदेखोंजायकै बदरंगदुनियांआँखसोलखिबैठनिजदि लआयकै १२ दिल्कोजख्मतैंनेकिया आँखोंचितैबद कोरसो मेरीनजरकोईज़राआतानहींसौतोरसो रिस्ता हमारेजानको तेरेबदनमासूर है पतरीकमरतेरीहमर करतीगरदमंजूरहै १३ दैआँखदिल्कोकरजखम बेपी रहोनाशर्म है मनूभयाहैफ़कीरतोपै सबमिटानाभर्महै दिल्कीजियेनाबेकदर मंसूरकोयाधर्महै हरदमरहीशंक रदिलोंके बीचदिलसोपर्महै १४ जेतनदियाताकोभुला नायाजगतकोजबुरहै सबपरीदुनियाँमतनमें कोईनक रतासबुरहै दमापैकोइहोखाकगोकृमिभयो जीकोइबबुरहै सबदीखमुलनामोलवी शंकरपरेसबकबुरहै १५सबबरन होगेबेबरन करतानकोईनिजधरम् दिनरैनिकरिअकरम् करम् चलतामगरतनगतशरम् बनिवेषवेषनमेरमेंआ श्रमभयेवेकर्मसों धनजोरजोडूशोरमैंरसखायपोषतचर्म सों १६ ऋणियानधनकोदेतकाग़ज बदररँगतेंधनी मालिकगवाहीआँखहैदुआकहोकैसेबनी सबछायगोपा खंडदुनियाँपापसोंपूरीमही शंकरगजबयादेखिकै वै तौंसयाबानीकही १७। २७ ॥ लावनी ॥ सूनेगो धनहरिलयो कौरवनमेरो पितुगयेसमरदलसाजिमोर

पुरघेरो। नाभयोंहस्तिनापुरीराहनहिंपाते सबबीरदशों दिशिभागिमृगा इमिजाते काकरोंसारथीनहींबोगिरण जाऊं रथसाजिकौरवनजीतिसकलगोलाऊं द्विजद्रो णभीष्मबलवान सुनेजगजेते रणभूमिशरनकीसेज स कलभटशेते रणचढ़ोसुशरमासाजि मत्स्यपतिचेरो ॥ सूनेगो० ॥ यदिहोतपांडुसुतजिष्णुतदपिभयनाहीं असकौनभूपनहिंजायजितोरणमाहीं सुनिकैसैरन्ध्रीवच नबृहन्नटटेरा रथसाजिगयोबलवानजायदलहेरो दलदे खिकह्योनृपकुंवरफेरुरथमेरो देहोंतुहिंभूषणवसनकरों प्रियतेरोशंकरसमुझायोपार्थकह्योभटभेरो॥सूनेगो०१॥ कामदनपरीतकसीरबीरदुखदीन्हा अतिकठिनशरास नखैंचिघावतनकीन्हा यादेखुजटाशिरनहींगुँथीशिरबेनी कचफूलमालनहिंगंगमुक्तिकीदेनी नहिंबालभालशशि देखुतिलककीरेखा नहिंनयनअगिनिकीज्वालमांगकीरे खा ईनहींकपालकृपालुउरोजहमारे नहिंगरलकस्तुरी कण्ठवृथाअँगजारे मैंनारिअपावनवारिसदाआधीना॥ का० ॥ यानहींकरीकोचर्म्मश्यामतनसारी पियबिरह भईबदरंगभस्मनाहिंढारी हौंनहींदिगम्बरबसनभीनक टिमाहीं नीवीरुनिझुनिकटिकसीभुजगतननाहीं करकर ककमंडलुनहींअचलनअटारीयानहींतुहिनकीराशिचंद्र उजियारी तुमकरिपुरारिकीभ्रांतिवृथाचढ़िआये सुरअ सुरबीरजितवारयहांकापाये शंकरकहिप्रोषितनारिशशि हिलखिलीन्हा ॥ का० ॥ २ एकतारयन्त्रअँगरेजप्रगट करिदीन्हा सबभरतखंडकीखबरिजानिलैलीन्हा सब

सिंधुविलायतजहांचराचरबासी नितखबरिलिगावतजानिनहोतउदासी नहिंरुकतिखबरिनितरहातिअहर्निशजारी यहितारसकलआधीनखबारिसरकारी एकरेलखेलरचिधुवांबाँधिदौरायो षटदंडगहरमेंसाठिकोशपहुँचायो अस भयोनहोइहैकोईराजपरबीना॥ एक०॥ षटकोशइटेशनबनेबसतबंगाली पलएकमसूलनिबंधकोशकोहाली अंजनमेंबाँधीसाठिकजातिकिराँची दिलचहैतहांचढ़िजावटिकटलैबाँची बालककोअर्द्धमसूललेतअंगचीन्ही घण्टायकआगेजानिटिकटलैदीन्ही उतरोजहँसिकरमखड़ीअश्वअसवारी सबखानपानकीबस्तुलियेरुजिगारी शंकरपैसाकेसकलसुक्खआधीना ॥एक०॥ ३ खलअसुरदुशासनवसनगह्योजबकरसों द्रुपदीतबकीनपुकारराधिकावरसों जनजानिअनाथसनाथकरौप्रभुमोहीं कुंतीसुतबोलतनाहिंशरणप्रभुतोहीं ब्रजराजकाजकबऐहौलाजजोजाई कुंतीसुतकीप्रभुकरिहौकौनसहाई कौरवकुलसागरअगमदुशासनवारी शकुनीदुर्योधनग्राहविकरणकीनारी हेनंदनँदनगोपालकह्योअतिडरसों ॥ खल० ॥ दाहतवड़वानलकरणजयद्रथखारी डूबतियहिसागरनैयालाजहमारी करुणामयसागरहेमुरारिगिरिधारी गोविन्दद्वारकावासीशरणतिहारी सुनिद्रुपदसुताकीटेरवसनतनुधारी प्रगट्योतनतेनँदलालभईनउघारी शंकरहरषेभूपालचितयदृगनरसों ॥ खल० ॥ ४ अतिकाठिनमरणकोहालसुनोमनलाई तनउपजतदारुणदाहसहीनाजाई १ कफकण्ठभयोवेरूपदीनताआईसब

देखिपरतअँधियाररहीभ्रमछाई २ अतिबढ़ीव्यथा सबमर्मलसतनभभूमी। जनुभूमिभई आकाशनयनरहेघूमी ३ जनुबोरिदियोकहुँसिंधुखैंचिनभमाहीं। भयपरयो अंधकेकूपगिरयोभूमाहीं ४ नहिंरह्योपूर्बपरज्ञानप्राण अकुलाई। अति ० ५ ॥ सुलमोहशिलासोभयोभ्रमर परिरोयो। कहिआवतनाहींबैनज्ञानसबखोयो। अति ० ६ ततपित्तसोंपूरिगईजबनाड़ी ॥ क्षणक्षणविकाशसंकोच बिषमताबाढ़ी ७ तजिदेतिसमानसमीरजाननंनहिंपावै॥ आवनहूंकीगतिनिहींतनहिंबिकलावै ८ अतिबिकलअ पानउदानव्याननहिंआई ॥ जबनिकसिगयोतनप्राणअ तकठहराई ९ धनधामबामअभिरामकामनाआई। अ ति ० १० ॥ जड़भयोतजीमनवृत्तिपवनसँगछूटो ॥ म नबुद्धिचित्तहंकारकेरसँगटूटो ११ बसिरह्योबासनाबीच स्वप्नसमजानी ॥ सबभूलिगयोव्यवहारमरोजबप्रानी १२ नहिंरह्योज्ञानहमकौनकहांतेआयो ॥ टिकिरह्योपव नकेबीचगंधसमछायो १३ लियोबांधियमनकेदूतदूरि पहुँचायो। निजकीनकर्मकोभोगयथाश्रुतिगायो १४ सब देखियोगवाशिष्ठसमुझिमनलाई। बनइससैबत्तिसअब्द लावनीगाई १५ शंकरसबझूंठोख्यालदीनमुसुक्याई॥ अतिकठिन १६।२८ दलपरोघोरचहुँओरकौरवनकेरो॥ कछुकरतनबनतउपायथकोबलमेरो। गजरथतुरंगजबजं गजुरेरघुराईदशआठक्षोहिणीकटकबिदिशिदिशिधाई॥ केहियतनहतनसोंबचैंअंडईमेरे। अवधेशाकुवँरमहराज शरणअबतेरे॥ अतिपरीसांकरेनाथकहौंकहँजैये। दुखह

रणदीनकोबंधुआनकहँपैये ॥ करुणामयसागरहैभरोस यकतेरो। दलप ० हमकीनबिचारअपारनकछुबनिआ ई बिनपंखअंडरघुबीरकहांलैजाई। सीतापतिसुंदरहेक पीशहितकारी ॥ लंकेशहरणरघुनन्दनशरणातिहारी। पलभूमिपलकनभरामनामजबटेरो ॥ सुनिटूटिपरोगज घंटइन्द्रगजकेरो। शंकरतुमबिनप्रभुकरतोकौननिबेरो॥ दलपरोघोरचहुँओरकौरवनकेरो ६ नँदनंदसखीब्रज राजहमैंबिसरायो ॥ हमगोपवधुनकेकाजयोगपठवायो। अबतकजियलागीआशरहीकछुआली॥तजिअबकुबि जाकोमीतभयोबनमाली॥यहनिठुरपुरानोसकलपुराणन गायो॥बलिकोधनलैअहिबांधिपतालपठायो॥करिबालि बैरबिनकाजब्याधइमिमारयो ॥ अतिसतीजलंधरनारि पतिब्रतटारयो ।हमअतिबिहालकछुहालउहांकोपायो॥ नँदनन्द ० सुरअसुरनिशाचरमेलिसिंधुमथवायो । लै लईरमासीनारिशिवहिंभटकायो ॥ फिरिकरयोमोहनी रूपअमृतकरलीन्हा।छलिअसुरसुरनकोमधुरअमृतदै दीन्हा ॥ कोइशूर्प्पनखीकरिरूपसुघरबनिआई। करि करिबिरूपसुतभूपाबिपिनपठवाई॥ अतिनिपटछलीनँद लालयदपिहमजानी । सुधिबुधिनरहीसुनिमधुरबांसुरी बानी॥ शंकरचेरीसोंमोहननेहलगायो ।नँद० ७॥ यकरेलचलतिबिनबैलअजबअसवारी। नहिंनहेअश्व गजशुतरनखगखरभारी ॥ आगेअंजनजलअगिनिदे इदौरायो यकपहरभरेमेंसाठिकोशपहुंचायो अंजनमेंबाँ धीसाठिककाठकिरौंची । चढ़िजातमुसाफिरदूरिलिखी

यहसाँची षटकोशइटेशनबनेबसतबंगाली॥दैटिकटले
तमासूलतूलनहिंहाली बर्षाहिमबर्षतिधूपरहतिनितजा
री यकरेल० ८ चिरजीवरहैंअँगरेजबिमानबनायोपूरब
तेपश्चिमदिशनदिशनदौरायो। कोइभाजिनपावतचोर
जोरकोइखूनीसबखबरिबिलायतकेरिलेतदोउजूनी॥ को
इभयोनऐसोभूपखूबहमशोधा लड़नेकोऐसोदीखआन
नहिंयोधा। बशकरिराख्योसंसारसारसबढूंढ़ीसबबस्तु
करीआधीनरहीनाहिंगूढ़ी॥चौकिनपरदेतजगांयसिपाह
पुकारी यकरेल० उतरनकोबनीसेरायँबसतभठिहारी क
हुँचोरधाँगलोनहींअदलसरकारी। घूमतइसपद्दरची
फगहेतरवारी जहँतकअँगरेजीराज्यननरखदकारी॥बद
माशपकरिकरिकैदानिगड़दैदीन्हे जेबदलिपरेभूपालजी
तिबशकीन्हे। झगड़ानिबड़नकेकाजदिवानीजारी जहँ
रहतवकीलअसीलकचहरिनभारी॥ शंकरजहँजारीता
रदेखिबुधिहारी १२ ॥ लावनी ॥ राजनयहदेखो
नकालगतीकहिजाई मतिसोचहुलावहुधीरनआनउपा
ई। देखहुजड़जंगमजीवदेहजेपाई जगआयअमरना
भयोश्रुतिनयहगाई ॥ तुमशोचतकाकोभूपचूपनृपली
जे अबजूझिगयोअभिमन्युकहौकाकीजे । सबपरेस
मरमेंभूपकालगतिदेखो भावीटारीनाटरतिहृदयअसले
खो॥ दशरथसेभूपमहानविरहसुतमरेऊ गुरुकीनमुहूर
तजौनलंकसोईजरेऊ । रावणसेभटतेपकरिकपिनगहि
मोर अतिहिरणकशिपुबलवानपकरिहरिफारे॥ भीष
मसेजूझेवीरसुहृदसुखदाई राजनयह० रघुरंतिदेवष्ट

थुरामभरतकुरुभयऊ यशथापिभुवनमहराजअमरपु रगयऊ । तनपायनकोऊरह्योभूमिपरआई सबभूंठ सुतासुततातामित्रधनभाई ॥ सुखदुखतनकोव्यवहार ब्रह्मकोनाहींचेतनअखंडसमजीवचराचरमाहीं। हैकौन कहांकोजातकहांतेआयो सुरअसुरमुनिनश्रुतिकहूँढूंढ़ि नहिंपायो॥ शंकरअनादिअसजगतसमुभुकुरुराईराज नयह० १ बंशीधुनिबाजतिवायमुनाकेकूलन। छलिजा यजहांमनमोहनहरेदुकूलन ॥ सुनिभयेअचलजल सकलविहँगनहिंबोलैं । पशुचरतनपीवतदूधपवननाहिं डोलैं ॥ बनथकितमिरगतकिरहे घटानहिंगरजैं । सुरबधुनकामकेबाणप्राणकोतरजैं । चलियैसजनीसु नियैंटौरनमिसिफूलन बंशीधु० ॥ तपकियोबांसुरीकहा अधरकरराजै। बेदरदकठिननिशिशरदस्वरनरसबाजै॥ चरअचररह्योनहिंभेदखेदकोजानै । सुनियतगावत हरिमधुरमधुररसतानै ॥ वहमधुरमधुरमुसक्यानिबसी मनमाहीं । मुखअलकलटककीछटकटरतिक्षणनाहीं ॥ शंकरसुनुरीचलुरीहरिकेपदमूलन बंशी० ८ ॥ कुबरी नेजादूकियानयनसोहेरी । बशकरिराखेगोपालकंसकी चेरी १ नहिंपरतिचैनदिनरैनकहोकहँजाई । अतिनिठु रभयोनंदलालसुरतिबिसराई २ करिकैबिहालनंदला लहालयहकीन्हा ॥ जियकठिनबिरहकीपीरसोजातिस हीना ३ बनबोलतचातकमोरघोरघनबरसैं ॥ ब्रजबाल बधुनकेनयनदरशकोतरसैं ४ बसिजायमधुपुरीतजीसु रतिब्रजकेरी ॥ कुबरी० ॥ हमजातिअहीरिनिनारिज्ञान

कीथोरी । चितपटकहिलियोमिलायबांहगहिमोरी ६ घौंवसातिकहांमधुपुरीपथिकनहिंआवैं । हमबिरहव्यथा क्योंहिहाथसँदेशपठावैं ७ हमरेहैंभरीबियोगयोगक्या जानैं ॥ मनतनकाननवसिगईबांसुरीतानैं ८ वहमृदुल मधुरमुसुक्यानिबसीमनमाहीं ॥ कइकोठिनकहैबनाय टरतिक्षणनाहीं ९ प्रभुकाहेभयोकठोरकहबयहमेरी ॥ कुबरी०१०॥ हमअपनेकुलकीआनिबानितजिदीन्ही ॥ कुलदेहकलंकलगायप्रीतिहमकीन्ही ११ क्यंयहिजाय कहौसमुझायहालयहमनको ॥ ऊधवईआँखियांतरसिर हींदरशनको १२नहिंमिटतिकरमकीरेखलेखयहसांची॥ दासीदासीसोंदेहतहांमातिरांची । शंकरकहियोव्रजबा लशरणप्रभुतेरी ॥ कुबरीनेजादूकियानय० ६ ऊधव धरिराखोसांख्यकहततुमकासो । हमकोप्रियलागत शास्त्रव्याकरणखासो ॥ ईनारिपुरुषअनदेखिसंधिकरि दीन्ही । स्त्रीप्रत्ययजियजानिकानिगहिलीन्ही ॥ कर्त्ता करिकरिकरिकर्मसमासदिखायो । तद्धितवाणीआख्या तकृदंतबतायो ॥ लिंगाअनुशासनकथ्योशास्त्रयहनी को । यहपढ़ोकहांवेदांतशास्त्रछलहीको ॥ कइहोय योगिनीयोगकहौयहतासों । ऊधवध० यहप्रकृतिपुरु षकोसांख्यपृथककरवावै । ऊधवहसकोयहशास्त्रनेक नाभावै ॥ तुमकहततत्त्वमसिरूपएकअविनासी । न हिंश्यामश्वेतनहिंपीतचराचरवासी ॥ जोहोतिहृदयके बीचनंदसुतमेरे। दुखतापमदनकीपीरबसातिनहिंनेरे ॥ ऊधवअरूपकोरूपकौनविधिध्यावैं । हमबहुतयतन

मनहृदयढूंढ़िनहिंपावैं ॥ ऊधवहरिसँगबसिभलोढोंग लैआये । ब्रजगोपबधुनकोसांख्यज्ञानसमुझाये ॥ दासीरमिमोहननंदगोपयशनासो । ऊधव० हैंबेदअंग षटभलेसमुझिजियलीन्हा । यहसांख्यसखींबेदांतकौ नऋषिकीन्हा ॥ हमरोमोहनसुखरूपरूपकीरासी । मृदुबयननयनमुसक्यानिदेखिभईंदासी ॥ ऊधवमृग तृष्णावारिप्यासकैखोई । धरिराखोअपनोज्ञानतुम्हैं प्रियहोई ॥ अबतकजोपढ़तोलोगशास्त्रकोइनारी । उप जतनाकुलपरिवारसुतासुतरारी ॥ शंकरकुबरीसोंरस्यो अंगजेहिह्रासो । ऊधवधरि० १० ॥ असकहीद्रोण मुसक्यायभीष्मसोंबानी । सुनिपैजदीनकुरुकेतुहेतुहम जानी ॥ रथसाजिनारिकोबेषजौनयहआयो । यहहै कुंतीसुतपार्थजासुयशछायो ॥ शिरगुहेकेशाकरवलय क्लीवयहनाहीं । भटप्रबलपांडुसुतपार्थलखोकटिवाहीं ॥ आयोचढ़िरथबलवानसमरसुरजेतू । यहहैअर्जुनबल वानबायुसुतकेतू ॥ दललेवआपनोसाथचलोरजधानी। पटउतरिशीशसोंगयोदेखिबलखानी ।अस०॥ याकोको इजीतनहारनभूतलमाहीं ॥ जीतेजेहिसुरगंधर्बनेकभयनाहीं । गोधनलैजेहैबीररथिनकोजीती ॥ सुमिरतदुःशा सनकर्मतजीसबप्रीती । धनुहैअखंडगांडीवदिव्यरथ जाको ॥ नृपकोअबलेवछिपायबीरयहबांको । भीषमहैं धर्मधुरीणपांडुसुतपांचौ॥ नृपअजहुँदेवदैभागप्राणनिज यांचौ । शंकरदलअपनोफेरिचलौरजधानी । अस० ११ राजतभालसिंदूरदिये । करिवरबदनमनोहरतामेंमोतिन

मालहिये॥ अज अद्वैत श्वेतद्युतिदामिनिशशिसमभाल किये। गिरिनंदनिबंदनिजगतारणिडोलातिगोदलिये॥ शंकरशंकरसुतनहिंनेहकहौजगमेंफलकौनजिये १ श्यामनिरखिछबिकामललीठन्यो अलकलटकाशिर मौरपीतकटिदेखिललीमनमदनअगनसन्यो। मूंदिनयनपंकजउरमूरति राखिबिहँसिजविनफलमनगन्यो॥ मानहुँचित्रलिखीद्वारेपर कविउपमाव्रहदेखिनहिंभन्यो। शंकरदोउउठायभुजउठिचलि नंदनँदनगहिभेंटताहिबन्यो २ फार्‌योहृदयदुशासनकेरो कंठचरणसोंदाबिरुधिरभरिअंजलिपानकर्‌यो। बहुतेसेजेकोउवीरहोयकौरवदल आयबचायलयेरिपुमेरो॥ पयमधुदधिमधुसुधास्वादुते तेरेरुधिरमेंस्वादुघनेरो। शंकरभीमकह्योकाकरियेंखलतोहिंमृत्युबचावनिवेरो ३ राजनअजितपाण्डुसुत पांचो भीष्मविदुरजबकह्योसभामें तबमान्योंनहिंसांचो। पाँचगाँवमांगेनहिंदीन्हे यदपिकृष्णबहुयांचो॥ करणदुशासनमंत्रमानितुम समरबलिनसोंरांचो। अबशंकर रचिसमरबलिनसों जातहृदयकसतांचो ४ हमरोऊधवचोरदहीको। जेहितुमकहतशीशपदनाहीं बासीसबदेहीको॥ हमरेब्रजकहुँवचननपायो लेशनमाखनघीको। अंधनआयसुआवतऊधव तुमनजावउतहीको॥ अगुणनिरंजनतुमकहिगावत सुनिलागतमोहिंफीको। ह्यां सबगोपबधूबशकीन्हीं प्यायअधरसबहीको॥ अब ज्ञानीबनियोगपठावत छोड़िपिताजननीको। शंकरउइहमरोहमउनको जानतिहैंसबजीको ५ गायोनिगमन

नाथउदार॥ करतप्रतीतिशरणचलिआयों ठाढ़रह्योंदर बार। सन्मुखहोतडरतमनकातर सुमिरतकर्म्मकरार॥ गीधअजामिलशवरीतारी मोकोकौनोभार । शंकरसो जबपतिततारिहो लोकनलोकपुकार ६ सुनियतपतित पावननाम ॥ गीधव्याधअजातिगणिका शवरीगइतु वधाम। ईसबहैंप्रतितरघुवर कियोजिनहरिकाम ॥ प तितहौंप्रकरामजगमें देइनरकनठाम । चहतउतरोज गतसागर भजननाहींदाम ॥ तारिहौजबमोहिंरघुवर तारिबोसोराम । कहतअजहुँलजातशंकर हौंमहाभ्र तिबाम ७ दोषकहातुमकोरघुनंदन ॥ आवतजोवनशर णतिहारी करतफिरतछलछंदन। बैठिबबूरचहतसुरत रु फलदेखतनाश्रुतिसंदन ॥ चेरोभयोअनंगरावको पख्योबिषयकेसंगन । शंकरपायरतननरतनुहरि भूलि गयोयमदंडन ८ प्रभुमैंहौंऐसोअभिमानी ॥ अकरण करणकरतनिशिबासर मेटिवेदकीकानी । ताहूपैअपनी समानमें नाथनकाहूजानी ॥ क्षणभंगुरीहरीकायालखि नाथअमरताठानी । दीनदयालयहीशंकरकी क्षमिये नाथअयानी ६ झूंठहिलेनदेनसबपढ़िबो ॥ झूंठहि सबव्यवहारजगतमें बातनहीकोगठिबो। वेषबनायआ श्रमीबैठे हरिजनशिष्यनवाढ़िबो ॥ कुटिलाईकीकीच हृदयते सीखनकाहूंकढ़िबो । बांचतबेदपुराणउपनिष दें बातनहीकोरढ़िबो॥ कलिसाधुनकेदेखिप्रपंचन दो षवेषतनमढ़िबो । शंकरसकलवेषहमदेखे गानमदनरँ गचढ़िबो १० मायाकाहिननाचनचाया ॥ सनकादिक

ब्रह्मादिशिवादिक ढूंढ़त अंतनपाया। यद्यपिडरततरत
नातापै केहिगनतीनरआया॥ बालमीकिमुनिव्यासमा
सबहु छूटनकीनउपाया। वेदपुराणपढ़तनासमुझतना
सुरझतउरझाया॥ पचिपचिमरतहरतपरधनशठ क्षी
णलखतनहिंकाया। दीखविचारिबुद्धिमनगतिलौं माया
हीअलखाया॥ देखिप्रबलताप्रभुमायाकीमायहिमाथन
वाया। शंकरछूटतनारघुनंदनजबलगिकरहुनदाया ११
रघुबरधनिमायाप्रभुताई॥ ब्रह्माआदिपिपीलिअंतलौं
वाहीकीछबिछाई। मायाहीलैब्रह्मलखनुहै सबप्रभुताच
तुराई॥जिनआदरीभरीअंतर उरकरिकारिअतिकुटिला
ई। यदपिब्रह्मप्रतिबिंबकहतश्रुति मायामुनिनहुंगाई॥
कोइकोइझूंठकहततातूपै तरतनकरतउपाई। देखि
अनादिरूपमायाको सबजगजातभुलाई॥ होहिप्रती
तिझूंठकहुकैसे देखिप्रपंचबड़ाई। शंकररूपलखौंमा
याको दीजैबररघुराई १२ रामजन्म॥ मंगलदेखनच
लहुगुसायनि॥ घरघरनगरडगरसबटेरतिकहतिफिरति
सबजनसोंनायनि। श्रीमहराजरानिसुतजायो कौश
ल्यापुरजनसुखदायनि॥ भूषणबसनदेतश्रीदशरथ
जोजाकोजैसोमनभायनि। शंकरनभबिमानसुरचढ़ि
चढ़िजयजयकरिफूलनझरिलायनि १३ हमारेकोसाधै
तपजाल॥ कोपढ़िशास्त्रदेइदुखतनको श्रमकरिभुरवहि
खाल। तीरथब्रतसत्संगसाधुकोयोग बैठिहिमताल॥
जटारखायमौनकोबैठैको पहिरैमलमाल। भस्मरमायफि
रैकोजगमेंकौनतिलककरैभाल॥ कोबाँधैआसनचौरासी

कोबसैतालतमाल । कोगृहयतीबनीहैबैठै कोजोरैधन
बाज ॥ कीटपतंगसकलजगजनको देखतहौंसबहाल ।
शंकरछोंड़िसकलभ्रममनकी भजिहौंदशरथलाल १४
तनकीसबजानतहौनीके ॥ कामक्रोधमदलोभबड़ाई
जानतहौसबजीके । तुमहूंपायब्रएपसबकीन्हे अंतभ
येसबफीके ॥ केहिजगकामक्रोधरघुनंदनलायस्वबशन
हिंभीके । शंकरहीकेबेदविहितसबकर्मनीकहूठीके १५
जगतयहअसकाहेकोरचा ॥ नानाभांतियतनसोंजनमे
उसोनकालसोंबचा । यामेंलाभकहारघुनन्दनजोमाया
परिनचा ॥ याहीमेंबहुवारजन्मिमरिनाथनकोऊसचा ।
याकोभेदजानिमनशंकर हैंसिदीन्होजबजचा १६ ना
थसबहैंशरीरगुणबली ॥ जाकोअमलजौनपल आव
तसोईप्रभुअतिखली । कामक्रोधमदलोभछोभछलमो
हकुटिलतामली ॥ देखिबिचारिलेहुरघुनन्दन इनका
कोनाहिंछली । शंकरयुगनयुगनबल कीन्होअबदारुण
युगकली १७ हमरेश्यामसुँदरबनवारी ॥ गोपीनाथ
द्वारकावासी हेमुरारिगिरिधारी । खैंचतबसनदुशासन
करसों राखीलाजहमारी ॥ पांडुतनयबोलतकछु ना
हींराज्यधर्म्मसुतहारी । शंकरफिरिपीछेपछितैहौ देखि
होमोहिंउघारी १८ लाजजहाजआजगहिलीजै ॥ कौर
वकुलसागरमेंअटक्यो द्यूतभ्रमरमेंपरिअतिछीजै । दा
हतकरणमहाबड़वानलशकुनी कहरलहरसोभीजै ॥ पुर
वापवनअधमदुश्शासनचाहतबोरनबोरिनदीजै । शं
करकरणधारहरिगिरिधरतुमतजिअबकेहि आनपतीजै

१९ दीनपुकारकरीद्रुपदीजब हेश्रीकृष्णदेवकीनंदनगो
पीजनवल्लभहारिकेशव। कौरवसभासमुद्रकहरमेंडूबति
हौंगहिहौगिरिधरकब॥ अबतोलाजजातितवजनकी बे
गिप्रकटह्वैयेब्रजपतिअब । शंकरकानपुकारपरीजबब
सनरूपप्रकट्योयदुपातितब २० कृष्णाकह्योकृष्णहि टे
रि॥ भईसमिटिसभीतमानहुं मृगीमृगपतिघेरि। कह्यो
रोयपुकारिगिरिधरहौंशरणप्रभुतेरि॥ काजकबब्रजराज
ऐहौजातिलज्जाभोरि । अंधसुतप्रभुकियो चाहतमोहिं
अपनीचेरि॥ विकलअतिअकुलाति.टेरतिगोविंदैमुख
फेरि। नाथपतिकछुकहतनाहीं रहेआपसहेरि ॥ कहां
अबब्रजनाथअटक्यो होतिनाथअबेरि। खैंचिपटखल
हाथलीन्हेगहेभुजनकेरेरि॥ कृष्णजौलौंकहिबचै हो
कहतहोईदेरि। लाजतौलौंनाथजैहैपाण्डुसुतंकुलकेरि॥
रहेचुपसबसाधिकौरवकहतनाहिंनिबेरि । सुनतआर
तबैनवनिपटअगनबींधेनफेरि॥ तनकतनकहिलखिन
पायोबसनअंगविधेरि । कहतशंकरबसनखैंचतथकी
भुजखलकेरि २१ खैंचतचीरधीरतजिरोई ॥ बसनगाँ
ठितजिमूंदिनयनकरहायशरणकेहिकीहमहोई । बीर
धीरसबबैठसभामें खैंचतपटबरजतनहिंकोई॥ हायदु
नाथअनाथजानिमुहिंजेहिविधिलाजरहैकरोसोई । शं
करधायआययदुनंदनराखो लाजरहीप्रभुजोई २२ का
हूढूंढ़ततत्त्वनपायो ॥ कोहमकौनकहांकेबासीकौनेपक
रिपठायो। ब्रह्मवेदकीसुनतनहींखलतत्त्वअंतजोगायो॥
बाहरभटकिभटकिग्रंथनमेंअमितबारभ्रमिआयो।शंकर

ब्रह्मरूपनिजलखिलखिबिनकारणहँसिआयीं २३ हमारीमतिअबपाढ़िनिर्मलभई ॥ शरदचंदसमभासिरहीउर अभयबीजतननिशिदिनबई । अगुणसगुणअरुनरक स्वर्गकीजीवनमरणकिभ्रममिटिगई॥तत्त्वरूपपहिंचानि आनिउरअमराईचेतनलखिलई । शंकरब्रह्मानंदमगन मनधनिश्रीगुरुजिनमतिअसिदई२४हमरोश्यामकूबरीरांचा ॥ तजिमुक्तामणिसमब्रजसुंदरी जायगह्योदासी करकांचा । अबराजाबनिभूलिगयोवहजबदधिकाजला जतजिनांचा ॥जबयशुदादधिकाजउलूखलबांधिदयोमु खतमकितमांचा । सबबिसरायजायकुबिजागृहबसतपूर्वचंदनबसियांचा ॥ बिनब्रजराजसकलवृन्दाबन पशुजनजरतबिरहकीआंचा । शंकरहोतनपरपतिअपनेलौकिकवचनसकलसखिसांचा २५ करिकिलकारिप्यलना भूलतचारि ॥ कौशिल्याकेकयीसुमित्राबिहँसतिरूपनिहारि। रतनजतनकोपरोहिंडोलारेशमडोरीडारि॥ भँगियाशीशपचरंगीताखीराजतिलटघुँघुआरि । अंजनदये निरंजननयननपौढ़अवधबिहारि॥जाकोगावतपारनपावतश्रुतिपुराणत्रिपुरारि । शंकरसोइनिशिदिनभरिअंक नलेतिअवधपतिनारि२६॥ गौरी ॥ दुहिजैयोगैयाहमारीश्याम ॥ जौलौंधनीघरकोघरआवैतौलौंसुबूअरुशाम। सासुननंदघरकोईनहींहैरहनुअकेलीधाम॥ डोलीजानि गऊघरकोईआवतिआननचाम ।शंकरसानदईहँसिमोहनबाणीसुनतललाम२७कुवँरकोइअजबमनोहरआये॥ मत्तगयंदचलनिमृगचितवनिकेहरिकंधलजाये।गजशा

वककरकरभुजराजतकहुभूपतिकेजाये॥ नारिसंगरतिस
मसखिराजतिजनुबिधिहाथबनाये। शंकरकोलभीलल
खिहरषैं अर्जुनयनफलपाये २८ जबदेखेकपिवरगिरि
वरतट॥सावँरगौरकमानधरेकर कटिपहिरेराजतवलक
लपट। सिंहठावनिहेरनिचहुंओरनि मुखराजतिकारीक
पोललट॥ बिकलभयोसुग्रीवचकितलखि जबदेखेसुर
समदूनोभट। शंकरजानिबालिपठवायो चढ़योकपीश
शिखरअतिदुरघट २९ हेब्रजराजआजकहँअटके।
खैंचतवसनदुशासनकरसों हौंअवशरणमेंनागरनटके॥
होहुप्रकटपटबीचसभामें जातेहौंबासुीघटघटके। जै
हैलाजआजयदुनंदन रहैनलेशलुटेकटिपटके॥ फिरि
माधोऐहौपछितैहौ देखिहौआरछूटजबलटके। यहुखल
बीचसभागहिलायो मानतनहींबिदुरकेहटके॥ कहि
गोबिंदपुकारिनारिजब खलगहिबचनदुहूँकरभटके।
शंकरवसनखसननहिंपायो हारेभुजादुशासनभटके ३०
अवकछुनाहींनाथरह्योहै॥ खैंचिसभाकेबीचदुशासनह
ठकरिहारिकरबसनगह्योहै। आवहुबेगिनाथयहिअवसर
लाजलेनखलमोरिचह्योहै॥पांडवसुततनधनसबहारेया
हीतेप्रभुमौनगह्योहै। शंकरसुनिभयोबसनरूपहरितनते
चीरप्रबाहवह्योहै ३१ यहुजगचिंतापिशाचिनिखायो॥
हृदयआकाशबीचमेंअथयोरबिबिवेकश्रुतिगायो। घेरित
मोगुणअंधलियोहैभटकितत्त्वनहिंपायो॥यामिनियौवन
जातिलोभतन बस्योउलूकनछायो। जराबिलारआयु
मसेकोझपटिचपेटचलायो॥ मायाभूमिजगतसरवरमें

जीवमत्स्यबिलगायो । शंकरगीधकृतांतबीनिसबचरि चरिदेखुनिघायो ३२ जान्योसतयुगहूमेंपापी ॥ कीकहौ पापकहौअपनीहठउपजायेकसतबैसुरापी । कहुँपायोसु रलोकमनुजपुरकोउहोयमीनबस्योसरबापी ॥ जोमाया भारीप्रपंचजड़नहिंकारणतपयज्ञनजापी । शंकरभ्रमत ममिटतुताहिजब बोधकसतगुरुमिलहिप्रतापी ३३ न टिनीयामायारघुराई ॥ नानाभांतिप्रपंचजगतरचिनिज महिमादिखलाई । हैनहिंजगतलखतसबसांचोकाहूभ्र मनमिटाई ॥ दामबीचअहिदेखिनीचजिमि तनकीकंप नजाई । शंकरज्ञाननयनधरिअंजनदेखिदियोमुसक्या ई ३४ काहूपाढ़िनाकियोअनुमान । औरेनहीकीसुनि सुनिगायो करिबैठेमनमान ॥ हौं मैंकौनकहांसेआयों जाबकहांनहिंभान । हैधौंनगमननहीं हैकीधौंबांचतयद पिपुरान।शंकरजायनआयकहूंयहहैचितब्रह्ममहान ३५ जननीहौंद्विजगुरुकुलघाती ॥ अंधपितामोसोंदुखपा योकुटुंबवधूबिलखाती । कुरुकुलदीपबिदाकरिदीन्ह्यो करिनिजबन्धुअराती ॥ अबजननीहोयोग्यशापकोदे वजानिउतपाती । शंकरसुनतदुशासनजननीलायल गायोछाती ३६ कटिकसिबसनकरनधनुलीन्हा । देख तहीगोबिंदनिरखितनपाण्डुतनययहचीन्हा ॥ कृष्ण तथाबलभद्रनयनसोंनिरखिमनहुँअँगपीन्हा । शंकर मीनयंत्रकेबेधतसकलबीरलघुकीन्हा ३७ मूरतिदेखि बिकलभइबाल॥ कुटिलअलकमुखचन्द्रअधरद्युतिदेख तदशरथलाल । फिरिफिरिगहतिगयलरघुबरपथचढ़ी

जनहुंनटसाल ॥ नटकिंकरीकरीरघुबरसोंरचिरचिमा
याजाल । शंकरअनुजप्रेरिनासाबिनपठईकरतबिहाल
३८ अबहमबहुप्रकारबिधिनाचा ॥ रूपगंधरसशब्द
पर्शकीपिशुआजैरँगराचा । धनपरिवारगरबआभूषण
रागअर्थसोपाचा ॥ कामक्रोधपगबांधिघूंघुरूलोभभाव
सोलाचा। सुरनरपुरबाजतसारंगीतबलाभोगतमाचा॥
आसारागतालहमतुमकरिमंजीरातनसाचा। तृष्णाजर
तिमशालकालघृततेजतापसोंताचा॥ सुरनरमुनिऋषि
दनुजअसुरमिलिबिननाचेकोबाचा ।• कैशंकरप्रसन्न
अबदीजैअभययहीधनयाचा ३९ बहुविधिनटवरवेष
बनायो । तृष्णाबांसआसकीबरिअतिपंचबिषयरचि
रूपसिधायो ॥ बांधिजांघियालोभक्रोधकोदुखसुखके
रिकलाप्रभुखायो । योनिसकलकोबांधिचौकठानिकस
तयशक्रोढोलबजायो ॥ रामभजनमुखदाबिलाकरीसो
प्रभुपीछेजानिचलायो । बीरापेटकटायधर्म्मको झूंठी
मिथ्याव्रक्षलगायो ॥ मोहकमानमानकोगोला अज्ञपाटु
लीपोढ़िबँधायो । बाँधिजमातिबंधुमित्रनकी मायाभू
मिडरतिप्रभुआयो ॥ लैनिलज्जकरपात्रअहर्निशमांग
तअभयदेवकरिदायो । शंकरअबमायानाटिनीमोहिंफे
रतजगतबहुतभटकायो ४० हमारेदृगनन्दननँदछबिब
सी॥जबतेआयबसीदृगमूरति फिरिनसखीवानिकसी ।
सुधिबुधितनमनकीकछुनाहीं जनुनागिनिसीडसी ॥ नि
शिबासरकलपलनपरतिहै छूटिगईजगहसी । शंकर
श्यामअलककलटकनिमें मनकमलगिसखिफसी ४१ छ

बीलोरामअजबअनोबनरा ॥ जरदचुनीझँगियापरअ
लफी जरदकाँधचदरा । जरदजड़ाऊपागशिरबांधे मो
तिनलागीलरा ॥ पचियाजरदकरदसीभौंहें नयनदि
येकजरा । शंकरजंनकललीअनिबनरा दशरथनृपके
हरा ४२ मोरमुकुटमुरलीधरमोहन सखनसहितबनखे
लें ॥ कैसेजाबसखीदधिबेंचन बीचगयलगहिघेरें । म
टुकीलेतउतारिशीशते बिहँसिभुजनतलहेरें ॥ हँसिहँ
सिखातसखनमिलिगोरस औरमरकटनटेरें । शंकरकौ
नकहौंगुणसजनी बिहँसिभुजनगलमेलें ४३ जातसब
बादहिबादमरो ॥ कोइकहैसगुणअगुणकहैकोई करिक
रिबेषलरो । पढ़िपढ़िग्रंथबादको ठानतरूपनदेखिपरो ॥
अंतकालसमहालसबनको यहीतेमनबिगरो । शंकरश्री
गुरुबचनसंगते भवसागरउतरो ४४ नाथहमसमुझि
समुझिमनरहे ॥ कबिताईदेखीहमसबकी सारकहूँनहिंल
हे । शाक्तशैबकोउबिष्णुभक्तबनि मनमानीपथगहे ॥
ऊपरबेषबनायबिबिधबिधि इंद्रिनकेसंगबहे । शंकर
बेषशेषहमदेखे करिबिचारनहिंकहे ४५ जोपैमनबशन
कियेदशनारि । काहभयोजपतपपूजनसों काहबेदपढ़ि
चारि । तीरथअटनकहाब्रतकीन्हे तापिअगिनितनजा
रि॥कहाभयोकंचनकेदीन्हे कासेयेहिसचारि । शंकरब्रत
तपसारयही कलिसेवहुअवधबिहारि ४६ हे मनकसन
भजतहरिनाम ॥ निशिदिनकरतप्रपंचबिषयको सुखहि
तसहिहिसघाम । हमहमकरतजन्मसबबीतो मारिअ
सरधनधाम ॥ जेहितनदियोताहिबिसरायो हौंअतिनि

मकहराम । शंकरनरतनरतनजातशठ फिरिशोचिहौं मनत्राम ४७ सबप्रभुजानिजानिपढ़िकीन्हा ॥ अकरणकर्मकरतनिशिबासर यहीखलनकेचीन्हा । शीशबड़ाईधरिधनचाहत आपुनऔरहिदीन्हा ॥ निशिदिनापियताबिषयरसमूरख रामरसहिनाहिंपीन्हा । शंकरअवगुणकहैसकलको तुमसेनाथछपीन्हा ४८ अबप्रभुअपनीओरनिहारु ॥ हौंहोइगयोंबिमुखचरणनतेतजिकैकौलकरारु । कैसेआवहुँशरणतिंहारेपरिगयोमायाजारु ॥ पतितउधारणबेदनगाय्यो सोशिरतुम्हरेभारु । शंकरभवसागरअगाधते गहिभुजनाथउबारु ४९ तुमअन्तरयामीरघुराई ॥ भीतरकपटकपाटबाटनहिं ऊपरबहुविधितिलकबनाई । देखतकर्मकियेनिशिबासरहमतुमसेप्रभुकाहछपाई ॥ हैअरजीयहकठिनहमारी देख्योकरिकरिअतिचतुराई ॥ शंकरपातितउधारणबेदन गायोछुटिहौंहुकुमचढ़ाई ५० हमप्रभुकाकोझूठबनावैं॥बेदपुराणउपनिषदकोमतबांचतसमुझिसदामनलावैं । नरकस्वर्गकोइजीवब्रह्मकहिअपनीअपनीकहिगतिगावैं ॥ सबमतबड़ेजानिरघुनंदनहमनिजसमुझतशीशनवावैं । शंकरकोहमरीतहँचालतगावतजाहिशेषनाहिंपावैं ५१सबनकीआदिअंतसमगती ॥ असृकमूत्रमलभारितनुआयोचढ़तिनएकौरती । बटुअरुगृहीबनीऋषिमुनिसुरराजरंकधनपती ॥ अंतउतरिपलकातेभूपरसुमिरतसीतापती । शंकरदेखिअभेदबेदमतबिमलभईउरअंतरमती ५२ ॥ ठुमरी ॥ करिअ

करमआईनाशरमवयवृथागवांईरे॥ सुधिनकछूबालाप
नमेंतरुणीबशमेंभयेयौबनमें। क्षणक्षणनरहतिमतिसु
धिमनमेंठानीअमराईरे॥ वृद्धभयेतृष्णाधनमेंतनक्रोध
बढ्योदृगकोरनमें मनलागनहींहरिचरणनमेंतृष्णादव
राईरे॥ वृद्धभयोकफयोंगलमें जनुसिंधुउमड़िबाढ़िमरु
थलमें। अतिशोचतमूढ़परयोमलमेंमनकछुनसुहाईरे॥
देखिदशादुखजीवनमें निशिवासरदीखफँसेधनमें॥शंक
रअति अनँदरहेमनमेंपदभजिरघुराईरे ५३ नंदनँदनबँ
शियाबजायहमरोमनलीन्हारे। जानतनापरपीरदरदय
हकठिनदेखिनिशिचंद्रशरद सुनिसुनिहमरीदेहजरदटो
नासोकीन्हारे॥ गोपालियेडोलतबनमेंमनमेंनबसैयोगि
नतनमेंजेहिरूपकह्योसबवेदनमेंनटवरतनचीन्हारे। ध
नियशुदाधनिगोपनंदजिनसुतजायेकुलदीपचंद धनिध
निमुरलीगावैजोछन्दअधरामृतपीन्हारे॥योगीजाहिअ
हर्निशिध्यावैं रूपजासुढूंढ़तनहिंपावैं। सोशंकरबछरन
संगधावैंआनंददीन्हारे ५४ सप्तस्वरनरसरागनसोंमुर
लीकहिंबाजीरी॥ हरिलीन्हेंसुरमुनिनमनै हमरीअबल
नकीकौनगनैअपनेमनकीहमसत्यभनैहमसुनिभईंराजी
री। उभकिपरतिनिशिनींदनआवैनाजानौंधौंकैसीबजा
वैतरसावैसरसावैमदनचलिकाकुललाजीरी॥ वामवाहु
कृतबामकपोलंमुखराजतिकारीलटलोलं गायगायली
न्होमोलंकोइजायबिराजीरी। मैनपतंगभयेवशडारन
कालिंदीनवहीखलतारनकरिबँसुरीशंकरधारनब्रजसुख
उपराजीरी ५५ नाथदुशासनबसनगह्योहमहोतिउघा

रीरे। हेबकारिगिरिब्रजबिहारिगोविंदहमारिछूटतिहैसा
रि बनवारिधर्मसुतमोहिंहारिअबशरणतिहारीरे। जो
पैलाजजैहैहंमारिफिरआयकहाकरिहौमुरारि अबनाथ
मोहिंदेखौनिहारिकेहिआनपुकारीरे॥ भीमगदाकरदियो
डारिमुखधर्मतनयकोरहेनिहारि पतिहारिनारिबैठेविचा
रिसाधीचुपकारीरे। रोयकह्योजबधर्मनारिशंकरपट
भयोगिरिधरबिचारि खैंचतखैंचतगयोअसुरहारिबाढ़ी
तनसारीरे ५६ पाण्डुसुतनकोदेइराज्यराजनयशली
जैरे॥ वचनकहतकुरुकुलहितुकेतुमहौदूनौंएकैपितुके
तजिदेववैरसंचितचितकेयामेंकुलछीजैरे। पांचगांव
आयेयांचन सोदेवऔरतुम्हरेराजन। अतिहोइ
अयशमहिंईपापन यतनीनृपकीजैरे॥ राज्यतिलक
जिनकेपितुकेतिनकेनवचनबोलतहितुके कुंतीसुतद्वार
जायँकिनकेसमुझौकुलवीजैरे। जीतिलियेगन्धर्वसक
लतिनकोबैरीपाईकसकल शंकरचाहौकुरुकुलबलभ
लयहअमृतहीजैरे ५७ हेतिशरममनकहतमरमनिशि
दिनअकुलैयेरे॥ नरतनहूनभयेदरसनहरिकौनजनम
होइहैपरसन वरसन्तकीन्होवयकोकरसनयहविनयसु
नैयेरे। चरणशरणभवभीतिहरणसुखकरणतरणलखि
देवनरण तजिधरणवरणधरिपरणडरपासुनिप्रभुअस
ध्यैयेरे॥ कहौंनाथअपनेमनकीतुमसोंनछिपीकछुतनत
नकी होइहैप्रतीतितबहरिजनकीसबपीरमिटैयेरे। हे
रघुनन्दनतजिमनभेदनसोइकरौंकह्योजोचहुँवेदन शं
करदुखसबकरियेछेदनदरशनअबदैयेरे ५८ मोरमुकु

टछबिअलकलटकहमरेमनभावैंरे ॥ श्यामगातमुख धूरिभरीनँदनन्दनविसरतिआधघरी सजनीरजनीघ नीतलफिजातिक्षणनींदनआवैंरे । सप्तस्वरनसोंगाय छायछारागरागिनीसबसुनाय तनतायतायबँसुरीवजा यनइनइंधुनिगावैंरे ॥ हमकुलकानिसयानिजानिबनी मनमानीअकुलानीनहीं वाश्यामशामढिगधामवामच लिमदनजगावैंरे । कोटियतनहारीकहायमतिआयमधु रस्वरजावगाय शंकरसजनीतुमजायशीशहरिकेपदना वैंरे ५९ चेतनजायनआयकहूँमिथ्याभ्रमबसिगइरे ॥ नाहिनबन्धनमोक्षकहूँकहिगायोदेखोबेदचहूँ शिवब्रह्म सच्चिदानन्दमहानूलखिमुनिमतिफँसिगइरे । अंवरस मघटपटसबमेंचितव्यापकहैसगरेजगमें अजअचल अमरअद्वयलखिकैशंकरमतिलगिगइरे ६० कोइराज कुंवरसुन्दरविशालसजनीवनआयेरे ॥ बसनचीरराज तशरीरमनहरनपीरधनुहाथतीर सुन्दरअपारयकनारि तीरगिरिवरपरछायेरे । सुनिसुनिसबधाईजुरिआईवि सराईसबकाजअपन बनकोलभिलनकीसकलनारिज हैंजिनसुनिपायेरे ॥ चित्रकूटचढ़िजायनायशिरजोरिदु हूँकरदेखिरहीं सबभूलिगयोधनधामग्रामधनिपितुजि नजायेरे । देखिसकललागींशोचनसखिसफलभयेहम रेलोचन पूरवशुभकर्म्मकियेशंकरताकेफलपायेरे ६१ पावसकीठुमरी॥ सजलनभजलदलागेआवन पावसब रसिलगीसरसावन । शांताकियेघनबनसबदावन मथु रानिठुरबसतमनभावन ॥ फिरब्रजकोसखिलीनरिनाव

न॥ लागपतंगनीड़रचिछावन नीरप्रबाहभईक्षितिपा
वन। यापावसकहुकैंसेकटैरी श्यामलगेकुब्जरीकेदावन॥
लगतपपीहाबोलसुहावन पुरवैयाझिमिझिमिझरिला
वन। हरिबिनयाबिजलीजियघाती निठुरनप्रीतिअ
खिरतनुवामन॥ ऊधवअबआयोचलिसावन मोहन
अजहुंकियोनहिंआवन। शंकरलिखिखतलागपठावन
शांतविरहफिरिलग्योजगावन ६२ जोरघुवीरहोतउर
बासी॥ काप्रयागमथुरापुनिकासी काहरद्वारक्षेत्रअ
विनासी। दशरथनन्दजुपैउरधरतो अणिमादिकहो
तींसबदासी॥ भक्तिहोतरघुवरकीखासी जातिउखरि
सबदुखकीगांसी। कैनिरद्वंद्वसंदप्रभुकरतो फिरिन
होतिजगमेंकहुँहासी॥ ठाढ़ीमुक्तिरहतिअवलासी।
फिरिनडारतोयमगलेफांसी। निर्मलअंगअडरजग
होतो फिरिमरिभ्रमतनहींचौरासी॥ जोनभजेचेत
नतनभासी काभयोवानप्रस्थउदासी। शंकरयार
साररघुवरपद भजौसदाचितआनँदरासी ६३ नदे
खेकपितुम्हरेहमारेनाहिंचैन॥ कहतनिशिवासरनिशा
चरजेबैन सुनतकपिभरिभरिआवैजलनैन। चलन
तुमचहतबिसारेउपैहमैंननपैहो मासबीतेतातेअवधिबि
तैन॥ कहतनीतिअनुजअधमसोगहैन नजानौंरघुराज
याहिकाहेतेबधैन। कहबकपिराजसोंलयावैंवेगिसैन ह
मारीअबशंकरकटतिनाहिंरैन ६४ हमारेहरिकुब्रिनेरा
खेबिलमाय॥ लयायोरथक्रूरलै गयोरीलिवाय। हमारे
प्राणप्यारेको नगयोपहुंचाय॥ कहाधौंअंगदेखिदा

सीरह्योहैलुभाय। उरझिगयोकूबरमें नहींसुरझाय॥
भयोनयशुदाको सेयोदूधजेपिआय। नाहकगोरीशिरधु
निधुनिपछिताय॥ हमारोहितुसखिकोइब्रजनादिखाय।
शंकरनँदनन्दनकोदेइजोमिलाय ६५ बिहारीतेरीबँशि
याहमारोमनलीन॥ नजानौंकानपरिकैनिगोड़ीकाकीन।
सबैरीकानितजि तेरीभईहैंअधीन॥ अहार्निशसुनिधु
नितनभयोक्षीन। तलफिनिशिबीतैजलबिनजैसेमीन॥
अरजसुनिलीजैतानगावोननबीन। हमारोहियकसकतु
सुनिसुनिबीन॥ भईहैंहमबावरीनसूझतजमीन। शंकर
ऐसीबाँसुरीबजायोजुकभीन ६६ कौनीधुनिपुनिबाँशिया
बजाईरे। बरअधरसधरधरिहरिगुपाल॥ धैवटऋषभगा
यस्वरपंचमसुनिघरबरनसुहाईरे। मोरमुकुटतिरछीद
गचितवनिमोमनरहीहैसमाईरे॥ निशिबासरकसकतु
हियसजनी केहिअबपीरसुनाईरे। शंकरनिठुरभयोमन
मोहनपीरनजानैपराईरे ६७ अधरकरधरिकैटोनासेक
छुकरिकैहमारोमनहरिकैबजायगयोरे। लाजकीमारीक
छुकहिनसकतिहौंरे॥ बंशीअजबबजावैमधुरस्वरगावैमद
नकोजगावैगोवनकोचरावैसुनायगयोरे। मोरमुकुटबांधे
पटकांधेरेछलिपरनारिनशावै बिरहसरसावैनयनतरसा
वैनदरशादिखायोकहांगयोरे॥ काननकुंडलअलकलटक
छबिरेनयननकोरनचावै अंगनकोतचावैरहसकोरचावै
अगनकोलचावैकहाभयोरे। नटवरवेषमनोहरराजतरे
देखतरूपलुभावै बेदनाहिंपावैअहर्निशगावैशंकरमनभा
वैसुहायगयोरे ६८ हेरघुनंदनप्राणनाथहमकोतजिकितै

गये ॥ यहुखलनिश्चरजातलियेमुहिंकेहिअपराधबिसा
रिदये। कुररीइमिकूकिरहीनभमें दोउनयननीरछये॥
डहकहिऋष्यमूकपर्वतपर बैठकपीशसमाजलये। रघु
बीरनामसुनिधुनिपुकार कपिबरगिरिचकितभये॥ हरि
जनजानिफारिपटअंचल डारिदयोनकालबितये। रघुनं
दनभेंटकरीजबहीं तबहींपटदीननये॥ लैपटलायलयोउ
रमाहीं शोचतहेकहँप्राणप्रिये। शंकरलैप्राणप्रियाहमरी
अपनीजरअनलबये ६९ हेसीतेहेजनकसुतेमैथिलि
कियोकुतगमना॥ हनिमारीचफिरेरघुनंदन हालक्ष्म
णसुनिपुनिवचना। खलदनुजतनुजमाय्याविचारे आव
तधीरजक्षणना॥ आवतमगलक्ष्मणमुखदेखतविकलभ
येत्रिभुवनशरना। मिलिधायआयआश्रमबिशालदीखे
उननपंकजबदना॥ आवहुवेगिनिकसिहँसिहँसितजितुम
बिनमोहिंपरतिकलना।तुम्हरोवियोगनहिंजातसहोमोपै
घरिघरिघरिदिनना॥तुमहौसर्वसहाबसुधाकीप्यारीसुता
सुनियेवचना। शंकरहमदशरथ जेबीरसुताविरहसह्योप
लना७०गोदलियेमहरानिरानिडोलतिघरअनँदभरी॥
पदनूपुरकटकनकेऊपर कटिकिंकिणिगलेमालपरी। अं
गदकंकणभूषणअनेक झँगियाशिरताजधरी॥ हलरा
वतिगावतिबतलावति नभअनेकखगदेखिलरी। मुस
क्यातलालदेदेहुँकारलीलाशिशुकरिसगरी॥ जोसुखले
तिकौशलानिशिदिनसुरनतपायोएकघरी। सुरगावतध
निदशरथरनिया सुरतरुकरिसुमनझरी॥ योगीजाहि
समाधिलगावत ध्यावतपदभवजाततरी। शंकरदशर

थसुतसोइकृपालु लीलानरकोटिकरी ७१ वनमालीका लीपरश्रालीव्यालीरहसरच्योहै ॥ तालगमकपदधम कचमकसों सबतनतमकलच्योहै। बमकबमकमुखस्रव तरुधिरबल रमकनरागमच्योहै ॥ मरकिकरकिसबदर किफरकिशिर सबतनभरकितच्योहै । गरलश्रनलश्र तिप्रबलतरलखल मलछलक्रोधपच्यो है॥ श्रहिघरनी शरनीकरनीलखि यशघरनीयजच्योहै । हेकरुणासाग रश्रागरनट नागरश्रहिसकुच्योहै ॥ ब्रजबासीहासीरा सीतजिब्याकुलदेखिनिच्योहै। शंकरनंदयशोमतितपसों श्रहिमुखग्रसतबच्योहै ७२ श्रारतश्रतिगरीबप्रतिपाल क रामसदृशकोइनाही ॥ धनीगुनीतपसीउदारको ठौर सबैघरमाही। श्रगुणीदीनदुखीदुर्बलको ठांवश्रवधपति याही ॥ विप्रश्रजामिलपातितमूढ़खल दासीभुजश्रव गाही। परवशनामनरायणलीन्हो गतिपाईमनचाही॥ शवरीगीधश्रजामिलगणिका व्याधबणिकमतसाही । सुमिरतहीकरुणानिधानसब गयेजातमुनिजाही ॥ भालुकीशनिशिचरनिषाद पतिभेंटेउदोउधरिबाही । शंकरश्रसउदारतजिखलमन समुझिसमुझिपछिताही ७३ श्राजुब्रजउमड़िघुमड़िब्रजघेरो ॥ सुनासीरसंवर्त कपेरो करिदियोदिवसमेंरैनिश्रँधेरो। जहँतहँमेघफिरत नभमाहीं सहियोनजातधारजलकेरो॥ चपलाचमकद मकचहुँफेरो चमकतिनेकनकरतिश्रबेरो। शीतकृशितन रपशुब्रजमाहीं दीनदयालुकृष्णकहूँटेरो ॥ श्रारतवच नसुनतसबकेरो दीखनब्रजकहुँनेकउजेरो। धारिलियो

गिरिवरकरमाहीं तेहितरसबव्रजकियोहैबसेरो ॥ इ
न्द्रदेखिबलगजपातिफेरो तुरतभयोयदुबरकरचेरो । शं
करसुखीभयेव्रजबासी जबयदुनाथकृपाकरिहेरो ७४
राममेरीसुनौबंदनादशरथनृपनंदना। हौंअल्पज्ञकौनबि
धिबरणौं पावतअंतछंदना।हौंसिरताजराजअधमनको
बसिकियोइन्द्रीगंदना॥ पावनपतितनामप्रभुतेरो गायो
श्रुतिसंदना । शंकरअरजयहीरघुनंदन कीजैभवभं
जना ७५॥ पूरवीरागावली॥ तनडावरढावरकरिडारयोरह
ननपावतथीररे॥ भ्रमरज्जूकोसर्पभयोहै कंपतदेखि
शरीररे । यद्यपिझूंठमिटतनघटतभ्रम कहतसकल
लखिधीररे॥ छोंड़िकल्पतरुज्ञानजगतमें ढूंढ़तफिरतंक
रीररे । यामेंदोषनहींजीवनको तुवमायाकोभीररे ॥ है
सबमेंसबहीसोंन्यारो राजाराववजीररे। आपुहिद्विज
क्षत्रीसंन्यासी आपुहिधेनुअहीररे॥ पृथिवीतेजवायुन
भआपुहि आपुहिसरवरनीररे। शंकरआपुहिआपुरम्यो
है नहिंदाताकोइपीररे ७६ पावसहूपियखबरिनली
न्ही कौनीदिशारहेछायरे॥ चहुंदिशिउमड़िघुमड़िघन
गरजतबरसतजियडरपायरे । कौंधाचमकदमकचपल
नकी पियबिनसखिनसुहायरे ॥ बोलिमोरमनमोरहर
तुहैं सोदुखककहियोनजायरे । दादुररटतकटतकहुकैसे
रैनिबिनायदुरायरे॥ करिझिनकारकीटबनबोलत सुनि
सुनिजियघबड़ायरे । बैरपरोदइमारोपपीहा नेकनरैनि
चुपायरे॥ नाहकशोचकरतितैंसजनी नाहकमनपछिता
यरे। शंकरसुधिनकरीयशुदाकीसेयनिदूधपियायरे ७७

कोमलमुखदँतियांनीकीलगैबिहँसनियां ॥ यककरगहे मातुकोश्रंचल नीकीलगतिदुगनियां । हलरावैबतला वैकौशिला कहिकहिसुघरकहनियां ॥ कहंतिमाधुरेब चनहलावति सोवोमेरेरजनियां । शंकरकमलनयन दोउमूँदे सोयेमातुकीकनियां ७८ रोवतप्यलनामेंके सीकरौंनृपरनियां ॥ कोटिबजावोरिझावोनमानत राखे रहतनकतियां । खीझतचरणचलावतसजनी मेरीसु नतनबनियां ॥ धायलियोउरलायकौशिला चुपकार तिमहरनियां । शंकरजोनवसीयहमूरति कातीरथदये दनियां ७९ तेरोदरवजवाकहांतजिजावैंरी ॥ आनउ दारकहूँनहिंदेखिउँ ढूढ़िफिरेउँश्रुतिगावैंरी । जहँभव तापजायदुखदारुण देखौंसोमहिंठावैंरी ॥ हेरघुनाथ तुम्हैंतजिअनतन कासोंपेटखलावैंरी । शंकरदीनदया लरामसम सुनियतआननलावैंरी ८० भजिलेश्रीरघु नन्दैत्यागिछलछंदै ॥ रेसुतबनितालखिकाहभुलाने धे उदशरथनंदै । विनहरिभजनतरोकोइनाहीं देखुकिन श्रुतिसंदै ॥ विषयबिरसफलकाहचिचोरे छोंड़िआनँद कंदै । शंकरसबजगआशछोंड़िकै रामपदक्योंनबंदै ८१ आजुतेमेराछूटाजनकपुरछूटा ॥ अपनेपिताकोना मछोंड़िकै भईरघुवंशवधूटा । सुनियोरीमेरीसँगकीस हेली आजुतेसँगटूटा ॥ परजनसकलआपनेहोगे मातु पिताभयेभूटा । शंकरकहतजानकीविनसब मनहुँज नकपुरलूटा ८२ यहिजगबिधिहुसोछलकीन्हा ॥ सब चरअचरकोदेखनहारो जेनरतनयहदीन्हा । धर्म्मरू

पपतिछोंड़िनारिव्रत करतीवनिपरवीना॥ अन्तरहृद यपापछलमूरति ऊपरसाधुकेचीन्हा। शंकरतुमजान तघटघटकी गावतनामनवीना ८३ आनकोकरनेवा लादूजा। चेतनहीघटघटकेवासी वेदनहूयहकूजा॥ चेतनतजिजोआनलखतुहैं सोकियोजनकतनूजा। शं करनिशिबासरसोइदेखत छोंड़िबहिरजपपूजा ८४ चे तनगुरूलखायासरूलखिपाया॥ बिनसतसंगशास्त्रके देखे काहूभ्रमनमिटाया। धनिधनिशास्त्रसंगधनिध निबुधि जिनभ्रमसबबिलगाया॥ जिनपायालायासो इअन्तर मूढ़नभेदमचाया। भ्रमकोरूपसकलजगजा नो भूंठसुतासुतजाया॥ नाकहिंनरकनस्वर्गबनेहैं ना यमपकरिबुलाया। ब्रह्मसिंधुमायामारुतसो बुदबुद योनिबनाया॥ निकसेपवनबारिबुदबुदभो तिमितन करिदयेमाया। कहतसुनतकछुबनतनहीं धनिपुरुष दशाआसिलाया॥ शंकरसकलबिचारिलखोहै चेतन हीसबछाया। चेतनब्रह्मआपुकोलखिलखि आपुहि शीशनवाया ८५ बाजतपदपैंजनियां॥ खेलतअंग नामेंरामलषणमिलि भरतशत्रुहनखेलतकरिकिलकनि यां। कोइकोइपीतवसनतनपहिरे कोइपहिरे बैंजनि यां॥ मणिकठुलागलेपंजबिराजत शिरटोपीचौतनि यां। नयेनयेख्यालबनाययतनसों खेलतदेतहुकनि यां॥ जासुख्यालश्रुतिपारनपावत ब्यालसहसमुख भनियां। योगीजाहिसमाधिलगावत तजिगृहबसन रतनियां॥ सोखेलतअँगनादशरथके कहिबाणीतुतल

नियां । शंकरधनिकोशलपुरबासी धनिदशरथधनि रनियां ८६ प्रभुगजकीसुनतपुकारबारनालायो । हरि चढ़िखगेशकीपीठि दीठितरआयो ॥ भरुहीकेअंडगयं दघण्टतरराखे । शबरीकेरुचिरुचिबेरजायघरचाखे ॥ मनुहेतमत्स्यतनुधारिवारिमेंआयो । धरिकच्छरूपविस्तारअमृतप्रकटायो ॥ जपयज्ञकरनकेकाज़माथविधि नायो । धरिहरिवराहकोरूपमहीगहिलायो ॥ जनजानिभक्तप्रहलादनादकरिभारी। प्रकट्योनृसिंहविकराल खंभजड़फारी ॥ बलिप्रबलछलनकेकाजलाजतजिदीन्ही । वामनशरीरधरिजायराज्यहरिलीन्ही ॥ गहिपरशुरामकरपरशुसहसभुजकाटे।राजाधिराजरघुवीरशिलनजलपाटे ॥ सागरअपारधसिपारनिशाचरमारे । धरि कृष्णरूपयदुवंसकंसबलजारे ॥ ह्वैबुद्धक्रुद्धतजिशुद्धअसुरछलिजीते । कलिकीकलंकशिरधारिहोहुकलिबीते ॥ सबकहौंकहांलगिजाहिवेदनहिंपावै । प्रभुशंकरहीकीवेरनिकटनहिंआवै ८७ बिनमोहनपलक्षणकलनपरतिदिनराती । कुलकानिजानिभरिनैन नीरपछिताती ॥ सखितलफितलफिउठिउझकिनींदनहिंआवै! ब्रजराजगयोमधुपुरीहमैंनहिंभावै ॥ सखिकरिकुबिजासेनेहनिपटबिसरायो । चेरीकोचेरोभयोअजौंनहिंआयो ॥ सखितुमकहि२दैधीरव्यथासमुझाती।कहँजावँबिरजतजिफौनहाथलिखौंपाती॥सखिपीरनजानतवीरअहीरकोजायो। गोपीपतिह्वैअबकुबिजाकंतकहायो ॥ ब्रजकुटिलक्रूरअक्रूरकंसकोचेरो। आयोरथधरिलैगयोप्राणपतिमेरो॥

ब्रजशोरघोरचहुंओरकोकिलाकूकै। सुनिबिनमनमोहन विरह अनलतनफूके॥ कुललाजजँजीरशरीरकठिनसों टोरी। करिकरिमोहनसोंप्रीतिकानिकुलबोरी॥ ब्रजबाल बधुनसोंनेह श्यामतजिदीन्हा। दासीसोंकरिकैनेहदाग कुलकीन्हा॥ अतिकठिननिठुरनँदनन्दनकुंजबिहारी। सुधिफिरिनकरीतजिदईसकलब्रजनारी॥ गोबिंदनँदनन्दनश्यामकंसआराती। यकबारदरशमुहिंदेहुपूतनाघाती८८॥ अथबारहमासी॥ बसिमथुरारजधानी करीकुबरी पटरानी॥ चैतमासबनउतरयोबसंत फूलिरहेबनकदम अनंत अंतशीतलबनपवनझकोर करतकोकिलाक्षण क्षणशोर बिरहदुखखानी १ अबलाग्योसजनीबैशाख उडतिगलिनबनकुंजनखाख दाखमथुराहरिचाखत जायनिठुरक्रूरलैगयोलवायदेइब्रजहानी २ जेठपरतिसखि दारुणधूप सूखिगयेलघुसरिताकूप भूपबनिबैठेमथुरा जाय अबब्रजकेरिसुरतिबिसराय़दईबानिज्ञानी ३ गाढ़ असाढ़सखीअबलाग देखतमेघमदनतनजाग यागत पतजिकैफिरतबिहाल द्विजसरवरचुपभयेहैंमराल देखि झरिपानी ४ सखिसावनआयोअबमास टूटिश्याम आवनकीआस आसकुबिजाकीकरिनँदलाल पूरणछोड़िदयेब्रजबालभयेअबमानी ५ भादौंकठिनअँधेरीराति श्यामाबिनासजनीनाहिंभाति भांतिभांतिनकेदादुरशोर चमकतकौंधातड़पिचहुँओरनजातबखानी ६ अबन परतिकलदेखिकुआर साधीनिठुरतानंदकुमार मारत नजाग्योक्ररतबिहाल लगतशरदशशिमानहुंकालहाल

बौरानी ७ कातिकमेंसखिबोलतहंस दागकह्योचेरीर
मिवंसकंसकोमास्यो मथुराजायहमकोदयोनिठुरबिसरा
यकहामनठानी ८ अगहनमासकठिनसखिलाग मदन
व्यथादारुणतनजाग जागकुबिजासोंहँसिहँसिरैनबिन
सखिश्यामहमैंनहिंचैनसुनतखगबानी ९ पूसमाससखिप
रतितुषार कुबिजाहरिसोंकरतबिहार हारपटधरिकैंअं
गमिलाय काहअंगलखिरह्योलुभायजातिनहिंजानी १०
माहश्यामबिनतलफतअंगहनतबानसखिअंगअनंगसं
गकुबिजाके देखिलुभानभूलिगयेमाँगनदधिदान पि
तानँदरानी ११ फागुनमेंसबखेलतफाग हमरीसखिजागि
हैकबभाग भागकुबिजाकेजागेमहान करतअधरकुबिजा
केपानछोड़िकुलकानी १२ बीतिगयेसखिबारहुमास अब
नाहींआवनकीआस आसहमतजिकैधरिमनधीर शंकर
आखिरजातिअहीरतजीसबग्लानी ८९ ॥ पूर्वीबारहमा
सी ॥ हुक्मअदूलसिपाहीनेकीन्हीं बिगरिगईरैयतिसग
री। फागुनटोटरलाटमँगाये आयेप्रथमकलकतानगरी
बांटिब्यलंचादयेपलूनमेंनाके कहतटोरीसबरी १ चैतचै
चहीपहुँचीकानपुर कोयलअरुमुरारिनदरी । कसमसा
यउरमेंसबबैठेकोइनबातकहैनगरी २ लागतहीबैशाख
कानपुरसाहबएकभयेमतरी। मदतिहेतनान्हाकोबुलाये
जायपरोभावीबलरी ३ जेठसकलसहबानखोदिकै मुरचा
सजिबसितोपधरी। पलटनसकलसवारबिगरिगे लूटि
लईजहँतहँमगरी ४ लागतहीआसाढ़तोपसोंबांधिदये
मुरचाबदरी । पलटनमारिसवारहटाये द्वंद्वजमोंरैयति

विगरी ५ श्रावणकूचप्रयागतेकीन्ही हस्तिलरीश्राईड
गरी।मारिगिराफसिपाहहटाईफूटिगईपलटनजनरी ६
भादौंश्रायबिठूरनगरमें हुइलाफूंकिदईबसरी। मंदिरमा
रिसुरंगउड़ाये भाजिगयोनान्हाद्विजरी ७ नान्हाक्वारव
सेफत्तेपुर गोलाचलोलखनऊपुररी। निमकहरामिमा
नसिंहकीन्ही तातेनबाबीबसेठगरी ८ कातिकठाँवठाँव
जंडेलीसेराकरीब्यापीभयरी।धरिधरिफाँसीहुकुमबैठायो
नातहकीककरीकछुरी ९ अगहनभीरमुरारिनदीतेकनट
नजंटइतैंअगरी। गोरासकलधूसमेंकीन्हेपीछेभाजिगई
उतरी १० पूसजहाँतहँढूंदिसिपाही चोरीमचायदईभग
री।लैंहस्तिलरीहटायभजायेखोजचलैनगयेकितरी ११
माघमाससाविकदस्तूरीराज्यभई कोइनझगरी। शंकर
फिरिअँगरेजबहादुरकीकीरतिभूतलबगरी १२॥वारहमा
सी॥चैतमासअबलागो सखिमदनसाखिनउरजागो॥फू
लीवनदेखिनेवारी कलपरतिनतनसुकुमारी १वैशाखखा
खतनधरिकै तपकरतसखिनतनजरिकै योगिनिभईश्या
मबिनारी दुखनैननबहतिपनारी २ ऋतुकठिनजेठस
खिलागो अजहूंकुबिजाहरिपागो कूबरमेंउरझिरहोरी
सुरझतनहिंकठिनगह्योरी ३ लागोअसाढ़काकीजै ह
रिबिनसुंदरतनछीजै नभजहँतहँमेघदेखाने खंजनवन
सकलदुराने ४ सावनवदराअतिगरजै हरिबिनविज
लीजियतरजै चमकैकौंधाचहुंओरा हरिबिनडरपतु
जियमोरा ५ भादौंअतिरैनिअँधेरीअजहूंनसुरतिलई
मेरी पपिहादिनरैनिपुकारै हरिबिनतनफतिजियजारै ६

सखिक्कारशरदऋतुआई खंजनबनदीनदिखाई निर्मल निशिदेखिउजेरी लागतनपलकनिशिमेरी ७ कातिक तनघातिकआयो सखिश्याममधुपुरीछायो हमरीसुधि जायबिसारी अतिनिठुरभयेबनवारी ८ अगहनसखि मासलगोरी हरिबिनदुखबिरहजगोरी कुबिजासखित पकछुकीन्हा अपनोपूरुबफललीन्हा ९ सखिपूसशी तकोद्वारो आयोनहरिहमहिंबिसारो. दासीकुबिजाअप नायो निर्मलकुलदागलगायो १० लाग्योसखिमाघकटो रा हरिबिनतलफतजियमोरा सखिरैनचैननहिंआवै को ईनहरिलायमिलावै ११ फागुनबसंतसबगावै हरिबिन ब्रजमोहिंनभावै कुबिजासोंजायलुभानो मथुराबसिभयो हैंबिरानो १२उनइससैसंवतपचीसा १९२५ सावनपूरो दिनतीसा शंकरयहबारहमासी छठिदशुक्रबारपरकासी १३॥ बारहमासी ॥ मनशोचतभारतभाई अजहूंनहिंआ योरघुराई ॥ चैतमासअबआयोरघुवीरनखबरिपठायो। कौनेबनकरतनिवासू असकहिभरिआयेदृगआंसू १ वै शाखमासनियरानो कहँबसतनाथनहिंजानो कैसेबन जनककुमारी बिचरतुह्वैहैसुकुमारी २ जेठलताबनसू खी कहँबसतिजनकजाभूखी शीतलबनवारिनपैहै का सासुससुरकाकेहैं ३ आषाढ़चलतिपुरवैया कहँबसत लषणछोटोभैया सुधिजबजननीकीऐहै कामनहिंसमु झिसमुझैहैं ४ आवनसावनहुनकीन्हा तलफतुकौशला जनुमीना पापिनियहमातुहमारी तिहुंपुरअतिअपयश लहारी ५ भादोंझिमिझिमिजलबरसै नरनारिदरश

कोतरसै कौंधा चमकतदैपानी कहँबसतधौंशारंगपानी
६ कछुकारखबरिअसपाई लंकापरकरीहैचढ़ाई सुग्री
वसाथकपिदीन्हा लंकेशविभीषणकीन्हा ७ कातिक
जलसेतुबँधायो रावणकोखबरिजनायो धनिधनिलक्ष्म
णलघुभाई जिनचरणकरीसेवकाई ८ अगहनकरिकठि
नलराई मार्योनिशिचरजयपाई हमकोछलिअवधपठै
कै चलिगयेदिलाशादैकै ९ पूसजानकीपाई तिहुँलो
कनकीरतिछाई रघुवरबिनअवधहमारी सूनीनदिया
जिमिबारी १० माघशीतअबआयो अजहूंनहिंदरशदि
खायो अवरहोदिनएकअधारामनसमुझतहोतदुखारा
११ फागुनरघुनंदनआये सुखसकलअवधपुरछाये शं
करहिलिमिलिसबभाई रघुबीरराज्यपुरपाई १२।६२॥
ग़ज़ल॥नारिमूलमलमेमूढ़क्याभुलानाहै। करुणाअयान
बांधिकैघरमेंसमानाहै ॥भूलाइलाहख्वाबमेंभूलाजहा
नाहै। देदैदिदारनारिमेंभूलाअयानाहै॥ पाकेशरीरहीर
मेंरघुवरदुरानाहै। मसजिदतड़ागमंदिरोंफिरिक्याबना
नाहै॥ कहताकुरानवेदयहीऔपुरानाहै। शंकरसबैभूले
अपनदेखातहानाहै ६३ प्यारेदवाभवरोगकीमालुम
किसीकहै। मुतवज्जेजायनबूजकोदेखाईजिसीहै॥ भू
लाजहानख्वाबमेंनजेहनइसीहै। बिसराइलाहयारको
बिहालतिसीहै॥ रहिमानकेपुकारनेकोयाहिखिसीहै।
यातेबिचारोघूमताहैवानदिसीहै॥ कहनाकरीमनामको
हकीमभिसीहै। शंकरमुनीरनामसोनरोगउसीहै ६४॥
रेखता॥, सखीउनश्याममोहनबिन मुझेनहिंनींदआ

तीहैं ॥ सुनतसंगश्यामकुबिजाके अहर्निशजरतिछा
तीहैं। कहैकोबातआवनकी लिखतुनिरदईनपातीहै॥
शरदनिशिचंद्रप्यारेबिन मुभेनहिंनेकभातीहै। को
किलारटातिमदमाती बिनाहरिप्राणघाती है॥ उभकि
चकिनींदनहिंआवै कटतिनाशरदरातीहै। दरदशंक
रकहाजानै अखिरआहीरजातीहै ९५ करौमतपाप
धरितनको वहीघरफेरजानाहै॥ जौनकरिकर्मदुखपाया
वहीखलफेरिठाना है। गहतुपलक्षणनथिरताई करत
मनजौनमानाहै॥ बंधिकसमपालिइंद्रिनको अरेनाल
त्सोखानाहै। रतनतनपायनरदेही यहीशंकरवचानाहै
९६ अरेमनशोचकरमनमें जगतलखिक्याभुलानाहै।
सारकरधामसुतदारा वचनसुनसुनजुड़ानाहै ॥ दानब्र
तयज्ञतपयोगै करतमनखलनजानाहै। भजनबिनत
रतकोइनाहीं कहतश्रुतिऔपुरानाहै॥ लोभमदक्रोध
कीचोटै इहांएहीबचानाहै। जगतमेंमरणजीवनको स
दाशंकरडरानाहै ९७॥ होरी॥ जलथलभ्रमनृपहिंभयो
री॥ द्वारअद्वारअद्वारद्वारलखि चलिनृपनिकटगयोरी।
हेधृतराष्ट्रतनययाद्वारहै हँसिजबभीमकह्योरी सुनतअ
तिहृदयदह्योरी ॥ धरिअतिमवनगवनपुरकीन्हो जात
नहासमह्योरी। जानिधर्मसुतअतिदुखपायो भलनहिं
भीमकय्योरी कहाहँसिकाजसय्योरी ॥ हैदुरयोधनबंधु
हमारो तेहिहँसिअयशलह्योरी। सुनिपितुमातुकहाम
नकैहैं यहिहितयज्ञरच्योरी नयनभरिनीरबह्योरी॥ गो
तमकरणगुरूदेवब्रत इनकीआंहबस्योरी। सोवतसिं

हजगायवृकोदर तुमनिजदुखप्रगव्योरी यदपिशंकरव रज्योरी १ ऊधवब्रजकेरिबिहारी ॥ ऐहैंबलभैयासँगमें यालैजैहैंबनझारी। असकहिरोयउठीनँदरानीहाकाहि लालपुकारी चलीबहिनैनपनारी ॥ तलफतिनंदयशोम तिरजनी बीतिभईभिनसारी। कबदेखिहौंदोउकुंवरम नोहरतलफतिनंदाकिनारी मीनजलसेज्योंन्यारी ॥ दे खिविरहब्रजनंदमहरिको ऊधवहृदयबिचारी। करिस मुझायबहुरिमनथाक्यो फिरिसाधीचुपकारी नैनभरि आयेवारी॥ ऊधवजावबेगिमथुराकोकहियोदशाहमा री। शंकरएकबेरब्रजआवहुदीजैदरशमुरारी रोयनँद रानीपुकारी २ सुनियेब्रजदशागुसांई ॥ तरवरमलिन कलिनहैं सूखेखगनधरीमवनाई। मृगवनजीवथाकितत किहेरततृणनतजीहरिआई लतासगरीमुरझाई॥ जब तेछोड़िब्रजेइतआयेब्रजवनिताबिसराई।गोपीगोंपदशा यदुनंदनहमसोंवरणिनजाईगईमानोंबवराई॥गोवछरा नतजोतृणचरिबोमातुतलफिनिशिजाई। बालकदूधपि यतनहिंरोवततलफतदिवसबिताई नारिनरसबअकुला ई॥नैननीरवह्योयमुनाजलसुनियेकुंवरकन्हाई। शंकर नन्दयशोमतिरजनीबिलखतबैठिगवांई मनोकुररीबिल खाई ३ सांवरेमुहिंदीनबिसारी ॥ जादिनतेपरदेशग येहरि त्यागिदईब्रजनारी। तलफतिसबदिनरैनिसखी री यागतिभईहैहमारी मीनजलसेज्योंन्यारी ॥ खानपा नबिसरो हरिबिनसबभूषणवसनकहारी । नयननअं जनरहतनहींक्षण अँशुवनबहतपनारी कटतदिनमा

नौनिशारी ॥ सुधिबुधितनमनकीकछुनाहीं मानौभई मतवारी । ज्ञानध्यानसबभूलिगयोहै नहिंकुलकानिसिहारी दईववरीकरिडारी॥ अंगअनंगदहतनिशिबासर कोटियतनकरिहारी । धामग्रामनसुहातकछूहै सेजनलागतुप्यारी कहौंयहकासोंविथारी ॥ फागुनमासकटैकहुकैसे बिनुउनरसिकबिहारी । कौनउपायकरौंमेरी सजनी विरहअगिनिजियजारी झरैंतनसेचिनगारी॥ रहतिसदाहौंडगरनिहारत सहौंकठिनदुखभारी । कठिनवियोगशोकहैजियमों शंकरअजहुँविहारी निठुरआयोनवनवारी ४ द्रुपदीजबदीनपुकारी॥ हेयदुनाथद्वारकावासी हेमुरारिगिरिधारी। हेबसुदेवदेवकीनंदन हौंमैंशरणतिहारी लाजराखौवनवारी ॥ बैठिसभाकेबीचधर्मसुत नाथआजुमुहिंहारी । कुंतीसुततातेनहिंबोलत धनुषगदाकरडारी मुखनसाधीचुपकारी ॥ खैंचतचीरदुशासनकरसों राखौलाजहमारी । लाजजहाजगहौनाहिं डूबत दुष्टदुशासनभारी लाजयहिलेनविचारी ॥ सुनतपुकारदीनद्रुपदीकी भापटरूपविहारी। शंकरपटखैंचतभुजथाक्यो नेकनभईउघारी बढ़ीखैंचततनसारी ५ राजाद्रुपदीनाहिंहारी ॥ व्यसनचारिनृपकेसुतगावत द्यूतपानमृगयारी । बिषयनकरतअधिकव्रतपालत वचनविकर्णकहारी धर्मधरिकुंवरबिचारी ॥ पूछतप्रश्नद्रुपदनृपनंदनि सोकाहूननिहारी । होयअधर्मदियेबिनउत्तर बैठसभाजेभारी प्रश्नकाहूननिवारी ॥ हमयहिमांझसभाकेअंतर बोलतधर्मासिहारी । सुनिली

जोसबवचनहमारे छोड़िकुटिलतासारी बैठजेहोनरना
री ॥ आपुनिदेहप्रथमनृपहारे फिरिद्रुपदीसुकुमारी।
शंकरपरधनभईद्रूपदी सोप्रणतुमहिंधरारी शकुनि
छलद्यूतरचारी ६ सृंजयनिशिनींदनआवै ॥ सुमिरत
द्यूतअधर्मसभाको नैननीरभरिआवै । धीरजसुमिरि
पाण्डुनंदनको मनविश्रामनपावै कुंवरबनबसिदुखपा
वै॥ दुरयोधनशकुनीबशहोकै कुरुकुलदागलगावै।
भीषमविदुरकहानाहिंमानत बलिनसोंबैरबढ़ावै अयश
महिमंडलछावै ॥ जोप्रणभीमसभाहठिकीन्हो सोप्र
णकौनछुटावै। कुरुकुलनाशसकलह्वैहैजैहै कोअसबी
रबचावै गदाकरगहिजबधावै ॥ अतिबलवानसबैकुं
तीसुत जिनकोयशजगगावै। शंकरयहसुतमोरअय
शके तिहुंपुरध्वजफहरावै कृष्णपदशीशनवावै ७ स
हसाकरिबोनभलाई ॥ यद्यपिभीमकहततुमनीकेंवच
नहमेंनसुहाई। मंत्रविचारिकाजबुधसाधत करिसहसा
पछिताई सुनोहमरीमनलाई ॥ भीषमद्रोणकरणबलसु
मिरत निशिदिनमनअकुलाई। कोजितिहैईबीरअवनि
पर कालहुजिनहिडेराई पितादीन्हीअमराई ॥ जन्मस
हससतबसौविपिनमें जियोकंदफलखाई । कुरुकुल
राज्यकरैदुरयोधन नारिसहितसबभाई जगतयाहूमें ब
ड़ाई॥ युद्धाकियेकुरुकुलनशिजैहेनारिछंदकहँजाई।मो
कोजगतभीमकाकैहे शंकरधरमबड़ाईगयेदेखौकिनपाई
८गुरुसुतकरिकोपकहोरी॥अरजुनगुणबरणतदुरयोध
ननृपतुमकसनसहोरी।ईबलवानमहाकुंतीसुत तुमकस

हृदयदहोरी शिष्यगुणकहतहतोरी ॥ मारिहिडंबबली किरमीरहि बकबलवानबधोरी। जीतबलीगंधर्वलुटायो तुमहिंसोबलबिसरोरी बधूतुम्हरीउनछोरी ॥ बैठि सभापासाछलखेलत जोशकुनीगरजोरी। सोशकुनी कीजेरणआगे अबकहँजायलुकोरी आजुअरजुनप्रगटोरी ॥ क्षत्रीशरपासासोखेलत दांवधरतअँगकोरी। सोमहिमंडलबीरकहावत सोखेलौसुनिमोरी बृथाछल द्यूतरचोरी ॥ जिनकीनारिसभागहिलायो विदुरयदपि बरजोरी। बनिबलवानचीरजबछोर्यो नालतिअसबल कोरी वृथाधनुबाणगहोरी ॥ सोधरिचापदुशासनआगे होतनकसडरपोरी। शंकरआजुगुरूभीषमकी अब कसशरणगहोरी सभाबलकितैरहोरी ६ प्रणकीनसुरसरीनंदन ॥ भारतयुद्धरथिनकेसनमुख सुनिलीजो यदुनंदन। आजुहाथकरचक्रगहावौं करितुम्हरोप्रणखंडनहारिदैकैरणपंडन ॥ इतनीनकरौंतौशपथकृष्णकी गतिनलहौंसुरबंदन। अरुलाजौंगंगाजननीको सहौंअक्षयमदंडन सुनौखलकंसनिकंदन ॥ सारथिबेधिमहारथिबेधौं बेधौंतुरगध्वजस्यंदन। सरितारुधिरबहाय सबनको अन्हवावौंकरिमण्डन मारिबीरनगजवंदन ॥ गायोजाहिसत्यव्रतसुरमुनि ऋषिपुराणचहुछंदन। सो शंकरप्रणराखिभीष्मको कह्योपांडवनफंदन लग्योकोरवनमंदन १० राजनसुनुबचनहमारा ॥ परमपुनीत महीभारतकुल तामेंतुवअवतारा। तुमधृतराष्ट्रतनयउइ पाण्डुके तजौविरोधइसारा समुभिपालौपरिवारा ॥ पां

चगांवकुंतीसुतकोदेउ सकलोराज्यतिहारा । विविधक
लेशसहेकुंतीसुत भटकिफिरेबनसारा अयशजगयामें
तुम्हारा॥ भीषमद्रोणमंत्रउरधरिकै कीजैधर्मबिचारा।
याशकुनीकछुकाजनऐहै होइहैकुटुमसँहारा कहांजैहैकु
लदारा ॥ अरजुनजबकरलेहैशरासन भीमगदाकर
भारा । शंकरराज्यछीनिसबलेहै काटिकटकअसिधारा
अयशहोइहैसंसारा ११कुंजनबिहारीबनबारीगिरिधारी
सारी छूटतिहमारीनरहारीगहिलीजिये।कुंतीसुतबोल
तकछुनाहींनृपमुहिंहारी जानीसाधीचुपकारीअबशरण
तिहारीखगचारीयशकीजिये तुमतजिकाहिपुकारी ॥
शंकरसुनिपुकारद्रुपदीकीपटतनुधारीप्रकटारी असुरारी
भईनारीनउघारी धनुधारीबलदीजिये अम्बरपरेहैप
हारी १२ रंगहोमतिडारौहमारे । करिकरिआईअरज
शिरनाई नँदनंदनगहिचरणतिहारे॥ कौनपरीअसबा
निकानितजि संगालियेकुंजनफिरतहोरिहारे । केशरि
रंगभरेपिचकारिन अविरगुलालकोझोरिनडारे ॥ यह
ब्रजराज्यनवणिकबधुनकी हैनृपकंसअमरजेहिहारे ।
सुनिपैहैकहुँलालउधुमब्रजकुटुमसहिततुमजैहौनिकारे॥
याब्रजबसतबहुतदिनबीतेअसाकियोकबहुँनंनंदविचारे।
नोखलवारभयेमनमोहन चलतननिजकुलपंथसिहारे॥
हमवृषभानदुलारिवारिअतिहमतुमयकसमनंददुलारे।
रंगगुलालअवीरअतरके अंगडारनकेनातहैन्यारे॥ बा
लहासउपहासयदपिबहु खेलतसबनजहांघरवारे।यारँ
गभीजिकबनघरजैवे नन्दकुटिलहसरेनंदप्यारे॥ गलिन

कालिनतनाकिंकरमारत हँसिहँसिचितवतदैदैदिदारे।शं
करविहँसिमोरिमुखपंकज चलिकहियेश्रौयमुनाकिनारे
१३नारायणशरसंधाना।तड़पिद्रोणिकरखैंचिश्रवणलगु
उदयकोटिजनुभाना।नभदिशिबिदिशिश्रनलघनदेखत
सकलकटककुम्हिलाना।हृदयप्रलयानलमाना॥ शूरबीर
कीकौनचलावैमहिमंडलथहराना। छूटिपरेशरधनुषकर
नतेमरमकहूनाहिंजाना धर्मसुतश्रतिश्रकुलाना॥ व्याकु
लदेखिदेवकीनंदननिजदलसकलपराना। कह्योपुकारि
पीठिदैदीजै छोड़िक्रोधश्रभिमाना चहौजीवनजोप्राना॥
सकलकटकदईपीठिभीमतजिभीममरणप्रणठाना। हृद
यलगायपीठिहरिदीन्ही शंकरपुरुषपुराना भयोयशसक
लजहाना१४श्ररजुनभगदतबलवाना॥चढ़िगयंदखैंच
तधनुधायोसनमुखश्रापदेखाना। इतैरथीमघवासुतरा
जतयुगलबलीरणठाना।समरसुरदेखैंविमाना॥ यदपिवा
रबहुगजहिंचलायोतदपिनबीरपराना।श्रंकुशहूलिमहा
उतलावतखगपतिमनहुउड़ानागरजिधनुपुनिसंधाना॥
वेधिश्रनंतबाणरणबरषत वेधिदईतनुत्राना। श्रतिबल
वानजानियदुनंदनमर्मकह्योभगवाना जानिश्रर्जुनश्रकु
लाना॥ काटौबदपटहालभालशरहैयहवीरपुराना। पल
कलटकदृगभ्परिणजैहै मोरयतनयहजानासुनतश्ररजु
नसकुचाना॥बोलेबिहँसिदेवकीनंदनग्लानिवृथामनश्रा
ना। धर्मयुद्धयहजीतिनजैहैतिहुंपुरबीरबखाना समरप्रि
ययाहिनप्राना ॥ शंकरवचनसुनतयदुबरकेशरधरिकर
मुसक्याना। काटिदियेबदभूमिपरेदृग काटिशीशहरषा

नासमरयहप्रकटजहाना १५ ढूँढतकहिंमर्मनपायो ॥
मातुगर्भजठराग्निअनलतेकेकेहियतनबचायो । को
हमकौननगरकेबासी केह्याँपकरिपठायोगर्भमेंकैसेजि
आयो ॥ शिशुपनमेंखेलतबालनमेंमदनयुवातनछा
यो । वृद्धभयेशोचनशठलाग्यो तृष्णाब्याधिभुलायो
शीशईशहिनहिंनायो ॥ अंतसमैसबलोगकुटुमसबमो
हकरतजुरिआयो। काहुनजातजानिलखिपायो कितैग
योकितछायो शोचिसबजन्मबितायो ॥ मानिप्रतीति
रीतिवेदनकीमुनिनसमाधिलगायो । शंकरपैचेतनवा
सीकीगतिउनहूंनबतायो नेतिवेदनकहिगायो १६ ॥
क्षणरथक्षणभूतलआयो ॥ द्वंद्वयुद्धअतिकरिअर्जुनसों
अपनोबलदेखलायो । सुरतनवीरमहारणबांकुरदेखिसु
रनयशगायो धन्यजननीजेहिजायो ॥ जनुखगेशतरुव
रतेभूतललघुफणीशलखिधायो । करगहिचक्रअग्रसेजब
खैंचतशेषक्षणकसुखपायो सकलभूलोकउठायो॥वारथ
गहनिवाणकीबरषनिवागरजनिध्वनिछायो।देखतबनत
कहतनाहिंआवतकविउपमानाहिंपायो कृष्णअर्जुनहिंदे
खायो ॥ अर्जुनकरसंधानिशरासनजबशरकठिनचला
यो । शंकरबिहँसिचितयतबबोल्यो कृष्णचरणशिर
नायो पलकधीरजधरिजायो १७ ॥ मेरीडूबतिला
जकीआजनैया गह्योदुशासनवसनकरन॥ तनधनब
सनधरमसुतहारेतातेमवनगहेसबभैया ॥ अबकेहि
शरणजावँयदुनंदनविश्वभरणभवजलधितरैया । हेमु
रारिजनभीतिहरन १ धर्मधुरीनअधीनभयेसबकोउन

गिरिधरधर्मकहैया ॥ विदुरवचनमानतकोउनाहींकौरव कुलनाहिंमोरसहैया हेबकारिहौंनाथशरन २ सुनतपु कारदीनद्रुपदीकीवसनरूपप्रकट्योयदुरैया ॥ खैंचतबस नदुशासनहार्‍योनेकनअँगकहुंदीनदेखैया भयोदुशास नमवनकरन ३ भरतफुलिंगभीमनयननतेनिरखिरहेनृ पबदनजुन्हैया॥ शंकरजयजयभयोत्रिभुवनमेंयशगायो महिशीशधरैयाभयोदेखिकुरुपतिबिबरन १८।४ बचि गईलाजहरीगहीबाहँआजमोरी। जितनँदलालन्हातय मुनातटउतहींमेंजायपरी । देखिअकेलिइयामहँसिछपि छपिनिपटहटकिपकरी ॥ भपटिदपटिधकधधकिअट किभजिहतीमोरिसुधरी।दौरिकेवाँरदयेमेरीसजनीहमस खिअधिकडरी ॥ अबनजाबहमयमुनाकुंजनबनहैनँद कोठगरी । शंकरआजुलुवननहिंपायोयदपिगलीसकरी १९ जियतलफितलाफिरहिगयोरीगुइयां कानपरीबँसु रीकीभनक । नाजानौंकौनीविधिबाजी अजबबजावत व्रजउबरैया। सुनिधुनिशरदचन्द्रनहिंभावतप्राणअरी लैगयोकन्हैया हमैंमिलैसजनीकबतक ॥ धनिमुरली मोहनकरराजतधरतअधरबकप्राणहरैया । शंकरदर शअहरनिशिचाहतमिलौआनिकरअचलधरैया रही आशमनमेंअबतक २० सोबातिरातिपरीगहीबाहँआज मोरी॥ भभकिभकोरदियोनन्दलालहिजबजान्योपक री। पूरबसुकृतबचीहमसजनी अनीबड़ीकठिनटरी १ बैरपरोहमरेबनवारीअबनबसबव्रजरी। शंकरमतिकलं कमुहिंदीजौअसयाकोठगरी २।२१ बचिगईलाजअरी

लईछीड़िदधिमोरी ॥ लीवोदधिकहिटेरिलयोधरंधँसिग ईपौंरिकई। सूनोदेखिभवनधकधकजियचितवतचाकित भई ॥ झपटिकपाटदयेमनमोहनमैंखिरकीचितई। शंकरभागिबचीखिरकीमगभयोसहायदई २२ गयोछोरि मोरिबेनीसोवतिसेजपरी ॥ सोइगईसुधिबुधिनरहीकछुह रिजादूसीकरी। काढ़िलईबेसरिमनमोहनजागीनननींद भरी ॥ अतिउतपातकरतनितव्रजबसिमानतनाहींअ री। शंकरकौनकहौंगुणसजनीहैअपारठगरी २३ यह रागबिनोदहमारो ॥ शास्त्रसकलपढ़िप्रेमप्रकटकोरचि भाषाविस्तारो। वासहमारोहैभग्वंतपुरशुक्लनभेलविचा रेवासकरमीकोअगारो ॥ आंकिनिमिश्रवसतकंतेकें इ हांममानपिआरो। पितावसेह्याँआयससुरपुरछोड़िकुटु मपरिवारोछूटिगयोगंगापारो ॥ देखिपुराणभजनठुमरी करिभारतसकलनिहारो। जोपढ़िहैसुखयशजगपैहै होइशत्रुकुलछारो इन्द्रपुरअंतविहारो ॥ महादेवहैनाम हमारो कहतसकलसंसारो। भजननमेंशंकरकहिडारो लघुलखिकीनलिखारो गायजनकरिहैंप्रचारो २४ ॥

इतिश्रीरागबिनोदेशुक्लमहादेवबिरचिते प्रथमप्रकाशःसमाप्तः

दो० उनइससैअठाइससंवतअगहनमास।
महादेवभाषारचीसंग्रहप्रथमप्रकास ॥

मुन्शीनवलकिशोर (सी, आई, ई) के छापेखाने में छपी
दिसम्बर सन् १८८६ ई०

---※---